केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

# दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 79 शुक्रवार 11 अक्टूबर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

## सिद्धिदात्री– मां दुर्गा की नौवीं शक्ति

मां दुर्गाजी की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री हैं। ये सभी प्रकार की सिद्धियों को देने वाली हैं। नवरात्रि–पूजन के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है। इस दिन शास्त्रीय विधि–विधान और पूर्ण निष्ठा के साथ साधना करने वाले साधक को सभी सिद्धियों की प्राप्ति हो जाती है। सृष्टि में कुछ भी उसके लिए अगम्य नहीं रह जाता है। ब्रह्मांड पर पूर्ण विजय प्राप्त करने की सामर्थ्य उसमें आ जाती है। मार्कण्डेय पुराण के अनुसार अणिमा, महिमा, गरिमा, लधिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व और वशित्व– ये आठ सिद्धियां होती हैं। ब्रह्मवैवर्तपुराण के श्रीकृष्ण जन्म खंड में यह संख्या अठारह बताई गई है।

इनके नाम इस प्रकार हैं –

1. अणिमा 2. लघिमा 3. प्राप्ति 4. प्राकाम्य 5. महिमा 6. ईशित्व,वाशित्व 7. सर्वकामावसायिता 8. सर्वज्ञत्व 9. दूरश्रवण 10. परकायप्रवेशन 11. वाक्‌सिद्धि 12. कल्पवृक्षत्व 13. सृष्टि 14. संहारकरणसामर्थ्य 15. अमरत्व 16. सर्वन्यायकत्व 17. भावना 18. सिद्धि

मां सिद्धिदात्री भक्तों और साधकों को ये सभी सिद्धियां प्रदान करने में समर्थ हैं। देवीपुराण के अनुसार भगवान शिव ने इनकी कृपा से ही इन सिद्धियों को प्राप्त किया था। इनकी अनुकम्पा से ही भगवान शिव का आधा शरीर देवी का हुआ था। इसी कारण वे लोक में 'अर्धनारीश्वर' नाम से प्रसिद्ध हुए।

मां सिद्धिदात्री चार भुजाओं वाली हैं। इनका वाहन सिंह है। ये कमल पुष्प पर भी आसीन होती हैं। इनकी दाहिनी तरफ के नीचे वाले हाथ में कमलपुष्प है। प्रत्येक मनुष्य का यह कर्तव्य है कि वह मां सिद्धिदात्री की कृपा प्राप्त करने का निरंतर प्रयत्न करें। उनकी आराधना की ओर अग्रसर हो।

## एक नजर

### रतन टाटा को मरणोपरांत भारत रत्न देने की मांग

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। माँ भारती के अमर सपूत, गौरवशाली भारत के शिल्पी, भारतीय संस्कृति में रचे बसे, महान राष्ट्रभक्त,स्वदेशी के प्रणेता, समरस जीवन शैली, गरीबों के पोषक, भारत में औद्योगिक क्रांति के जनक पूज्य रतन टाटा जी का निधन भारतीय उद्योग जगत, अर्थव्यवस्था के लिए अपूरणीय क्षति है। रतन जी टाटा के निधन पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि । हमारी ये भी मांग है कि रतन जी टाटा को भारत रत्न से सम्मानित किया जाय।

उक्त भाव विह्वल उद्‌गार जय पूर्वांचल व्यापार मंडल सम्बध्द अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल बस्ती के अध्यक्ष सुबाष चंद्र शुक्ला ने व्यक्त किया। अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए संगठन के उपाध्यक्ष डॉ वीरेंद्र त्रिपाठी, महामंत्री बृजेश प्रताप सिंह मुन्ना, राम विनय पांडे ने स्व टाटा को राष्ट्र की अर्थव्यवस्था का आधार स्तंभ बताया। वरिष्ठ महामंत्री राजीव पांडे ने कहा कि पारसी समाज के रतन जी टाटा ने जिस प्रकार समरस हो देश में गरीबी उन्मूलन, चिकित्सा सेवा, अर्थिक विकास का नेतृत्व किया उसके लिए रतन जी सदियों याद किए जाएंगे। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों मे इंड भुजा पांडे, महेंद्र नाथ पाण्डेय हरिओम प्रकाश यादव, अनिल सिंह गौतम, पंकज त्रिपाठी, समीर नरूला ,अवधेश, प्रिंस, अशोक जी, प्रखर प्रताप सिंह, लालजी शुक्ल, अमरेंद्र कुमार राम जियावन चौधरी, रोहित अग्रवाल, शिव सागर पाण्डेय आदि शामिल रहे।

# रतन टाटा पंचतत्व में विलीन

**मुम्बई (आभा)।** उद्योगपति रतन टाटा पंचतत्व में विलीन हो गए हैं। उनके पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए वर्ली स्थित शवदाह गृह लाया गया और मुंबई पुलिस ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके बाद उनका अंतिम संस्कार किया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल इस दौरान मध्य मुंबई स्थित शवदाह गृह में उपस्थित थे।

टाटा के पार्थिव शरीर को दक्षिण मुंबई स्थित राष्ट्रीय कला प्रदर्शन केंद्र (एनसीपीए) में जनता के अंतिम दर्शन के लिए सुबह 10.30 बजे से अपराह्न 3.55 बजे तक रखा गया था जहां विभिन्न वर्गों के हजारों लोग उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे।

टाटा समूह को विश्व स्तर पर प्रसिद्धि दिलाने का श्रेय रतन टाटा को दिया जाता है। उनका बुधवार रात शहर के ब्रीच कैंडी अस्पताल में 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। दुनिया के सबसे प्रभावशाली उद्योगपतियों में शामिल रतन टाटा अपनी शालीनता और सादगी के लिए मशहूर रहे।

## नीलम सिंह राना प्रदेश महासचिव मनोनीत

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। नगर पंचायत नगर की अध्यक्ष नीलम सिंह राना को स्थानीय निकाय अध्यक्ष एसोसिएशन का प्रदेश महासचिव मनोनीत किया गया है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष और हाथरस के चेयरमैन देशराज सिंह ने भेजे मनोनयन पत्र में श्रीमती राना को लोकप्रिय और कर्तव्यनिष्ठ अध्यक्ष बताते हुए उम्मीद जताया है कि नगर निकायों के अध्यक्षों के हितों को ध्यान में रख कर संगठन को मजबूती प्रदान करेंगी। नीलम सिंह राना बहादुरपुर विकास खण्ड की निर्विरोध ब्लॉक प्रमुख रह चुकी हैं। वर्ष 2015 में भारत सरकार द्वारा इन्हे उतर प्रदेश के सर्वश्रेष्ठ ब्लॉक प्रमुख का सम्मान तथा 20 लाख रुपए का पुरस्कार भी मिल चुका है।

## सेन्ट्रल एकेडमी के छात्रों ने किया रामलीला का मंचन

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। सेन्ट्रल एकेडमी में शारदीय नवरात्रि और विजयादशमी का पर्व गुरूवार को श्रद्धा और उल्लास से मनाया गया। छात्र–छात्राओं ने रामायण के पात्रों की भेष भूषा में रामलीला के प्रसंगों का रोचक मंचन किया।

इसके पूर्व निदेशक जे.पी तिवारी ने छात्रों को आदि शक्ति मां भगवती और श्रीराम चरित मानस के अनेक प्रसंगों की विस्तार से जानकारी देते हुये कहा कि सृष्टि में अन्याय विरूद्ध सत्य की स्थापना के लिये युगों से संघर्ष अनवरत जारी है। आदि शक्ति भगवती ने महिषासुर जैसे बलशाली राक्षस का बध कर शांति की स्थापना किया। मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम को मां जगदम्बा ने विजयी होने का आशीर्वाद दिया। कहा कि हमारे पर्व त्यौहार हमें अन्य से लड़ने की शक्ति प्रदान करते हैं। पर्व त्यौहारों का सम्बन्ध खेती किसानी से भी जुड़ा है, गेहूं की फसल खेतों में पककर तैयार हो तो होली और धान की फसल के तैयार होने पर दीपावली। कहा कि हमें मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम से माता, पिता, भाई बन्धु और समाज के विपन्न वर्ग को आदर देने के स्वभाव से प्रेरणा लेनी चाहिये।

निदेशिका सीमा तिवारी, सहायक निदेशक अनुज तिवारी ने प्रधानाचार्य दीपिका तिवारी ने छात्रों को शारदीय नवरात्रि और विजयादशमी पर्व के महत्व से परिचित कराया।

### –मर्यादा पुरूषोत्तम के जीवन से प्रेरणा लें छात्र–जे.पी तिवारी

इस अवसर पर छात्र–छात्राओं राजश्री तिवारी, ज्योति, महक, तनीशा, कान्हा, शिवाय, वेदांश, सात्विक, ऋचा, अरमान, अक्षय, अलीना, आरिज, अवनीश, दर्पण, अतुल, मानसी, रौनक, शिवाकान्त, सृष्टि, आदिश्री, खुशी, सचिन, फरहान, सर्वेश, शाश्वत, अभिज्ञान बाल्मीकि, अलका, आराध्या पाण्डेय, गरिमा पाण्डेय, कार्तिक दूबे आदि श्रीराम कथा के पात्रों की भेष भूषा में रामचरित मानस के विभिन्न प्रसंगों को मंच पर जीवन्त किया। निदेशक जे.पी तिवारी ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुये तिलक लगाकर उनका हौसला बढाया।

मुख्य रूप से आबिद अरशद, द्विजेन्द्र, निखिल गुप्ता, अम्बुज तिवारी, हिमांशु मिश्र, साक्षी, उन्नति, दया, गीताजंलि, रिचा, सुनीता, सुधा गौड़ आदि ने छात्रों को शारदीय नवरात्रि और विजयादशमी के पर्व की जानकारी दिया।

## गोकुल प्रसाद निर्विरोध डायरेक्टर निर्वाचित

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। गुरूवार को हुये सहकारी समितियों के निर्वाचन प्रक्रिया की कड़ी में दोफड़ से गोकुल प्रसाद निर्विरोध डायरेक्टर चुने गये। गोकुल प्रसाद के विरोध में किसी ने नांमाकन नहीं किया। पूर्व ब्लाक प्रमुख बेचूं सिंह ने कहा कि निश्चित रूप से गोकुल प्रसाद के नेतृत्व में सहकारिता और गन्ना किसानों को नया आयाम मिलेगा। सहकारी गन्ना विकास समिति बस्ती कार्यालय पर उपस्थित लोगों ने गोकुल प्रसाद को फूल मालाओं से लाद दिये।

उनके निर्विरोध चुने जाने पर के. पी. राठौर, हरिभजन पाण्डेय, सतीश सिंह, अनूप कुमार, विनय अम्बेडकर, आदित्य राना, सोनू निमग, रघुवीर चौधरी, रमेश गुप्ता, राम गोपाल यादव, रामदयाल यादव, जसवन्त आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

## कला, क्राफ्ट, संस्कृति महोत्सव का समापनः विभिन्न विधाओं में सम्मानित हुए उत्कृष्ट शिक्षक

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में चल रहे दो दिवसीय कला, क्राफ्ट, संस्कृति महोत्सवध्प्रदर्शनी का समापन गुरुवार को हुआ। अन्तिम दिन के कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि डॉ रमा शर्मा और प्रकाश चौबे द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। डायट स्टाफ द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया तथा महोत्सव के नोडल प्रवक्ता डॉ गोविंद प्रसाद ने अपनी स्वरचित पुस्तक अतिथियों को भेंट किया। पेंटिंग, मूर्तिकला, क्राफ्ट, वाल पेंटिंग, गीत, नुक्कड़, नाटक, पारंपरिक नृत्य कला, पपेट शो, अभिनय रंगमंच, काव्य पाठ, कलात्मक शिक्षण विधि आदि विभिन्न प्रकार की कलात्मक, रचनात्मक, गतिविधियों में शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। विभिन्न प्रकार की विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। डॉ रमा शर्मा और प्रकाश चौबे ने शिक्षकों को विभिन्न प्रकार की कला, क्राफ्ट और संस्कृति के बारे में जानकारी दिया। नोडल प्रवक्ता डॉ गोविंद प्रसाद ने बताया कि पढ़ाई के साथ कला, संगीत इत्यादि में रुचि लेने वाले सरकारी विद्यालयों के शिक्षक व छात्र– छात्राओं में सांस्कृतिक विरासत एवं कला विविधता के प्रति जागरूकता एवं व्यवसायिक कौशल के प्रोत्साहन हेतु जनपद स्तरीय कला उत्सव का आयोजन किया गया है। सह नोडल प्रवक्ता डॉ रविनाथ और वर्षा पटेल ने बताया कि इस तरह का आयोजन परिषदीय विद्यालयों में नामांकन, ठहराव और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए अति आवश्यक है।

इस अवसर पर कार्यक्रम के सफल आयोजन में डायट प्रवक्ता वन्दना चौधरी, अलीउद्दीन खान, कल्याण पाण्डेय, सरिता चौधरी, शशि दर्शन, अमन सेन तथा डीएलएड प्रशिक्षुओं विवेक शर्मा, संदीप यादव, नागेश, विनोद चौधरी, ईशा श्रीवास्तव, राखी पाण्डेय, आकृति, वीरेंद्र, उदय, धर्मेंद्र यादव ने सहयोग प्रदान किया।

# समाजवादियों ने दूसरी पुण्य तिथि पर नेताजी मुलायम सिंह यादव को किया नमन्

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती । समाजवादी पार्टी के संस्थापक पूर्व मुख्यमंत्री एवं देश के रक्षा मंत्री रहे मुलायम सिंह यादव को उनकी दूसरे पुण्य तिथि पर नमन् किया गया। गुरूवार को सपा कार्यालय पर पार्टी जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव के साथ ही पार्टी के अनेक नेताओं, कार्यकर्ताओं ने नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुये उनके योगदान पर विस्तार से चर्चा किया। इस मौके पर सपा के 25 नेताओं ने रक्तदान किया। इसी क्रम में जिला अस्पताल के भर्ती मरीजों में फल का वितरण किया गया।

सपा अध्यक्ष महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि धरती पुत्र मुलायम सिंह यादव प्रदेश ही नहीं वरन राष्ट्रीय राजनीति के मुख्य धुरी थे। उनको हजारों कार्यकर्ताओं के नाम याद रहते थे। वे कार्यकर्ताओं के दिलों में बसे हैं। उन्होने किसानों, नौजवानों, व्यापारियों के साथ ही समाज के सभी वर्गो के उत्थान के लिये सदैव कार्य किया। वे अपने योगदान के लिये युगों तक याद किये जायेंगे। उनका अधूरा सपना पूरा करने का

### –25 ने किया रक्तदानः मरीजों में फल का वितरण
### –युगों तक याद किये जायेंगे नेता जी– महेन्द्रनाथ यादव

दायित्व सभी समाजवादियों का है। कहा कि मुलायम सिंह यादव 'नेताजी' की राष्ट्रवाद, लोकतंत्र, समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धान्तों में अटूट आस्था थी। भारतीय भाषाओं, भारतीय संस्कृति और शोषित पीड़ित वर्गों के हितों के लिए उनका अनवरत संघर्ष जारी रहा ।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, विधायक राजेन्द्र चौधरी, श्रीपति सिंह, मो. स्वालेह, जावेद पिण्डरी, राजाराम यादव, राजकपूर यादव, गुलाम गौस, महेश तिवारी, अरविन्द सोनकर रविन्द्र यादव, राजेन्द्र चौरसिया, अरविन्द यादव, रन बहादुर, आर.डी. निषाद, राधवेन्द्र सिंह, जोखूलाल, राजेन्द्र यादव, सुरेन्द्र सिंह 'छोटे' मो0 उमर, राजेन्द्र चौधरी आदि ने सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव को नमन् करते हुये उनके योगदान पर विस्तार से चर्चा किया। कहा कि समाजवादी पार्टी अपने लक्ष्य को पूरा करे यही नेताजी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। कहा कि एक साधारण किसान परिवार में जन्म लेने वाले मुलायम सिंह ने अपना राजनीतिक जीवन उत्तर प्रदेश में विधायक के रूप में शुरू किया। बहुत कम समय में ही मुलायम सिंह का प्रभाव पूरे उत्तर प्रदेश में नजर आने लगा। मुलायम सिंह ने उत्तर प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग समाज का सामाजिक स्तर को ऊपर करने में महत्वपूर्ण कार्य किया।

पुण्य तिथि पर मुलायम सिंह यादव को श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में राम सिंह यादव, युनूस आलम, भोला पाण्डेय, रिन्टू यादव, रहमान सिद्‌दीकी, अजय यादव, अखिलेश यादव, विपिन त्रिपाठी, गिरीश चन्द्र, राम वृक्ष यादव, कक्कू शुक्ल, हृदयराम यादव, शैलेन्द्र दूबे, सचिन श्रीवास्तव, संजय गौतम, प्रशान्त यादव, सुशील यादव, मो. सलमान, हारिश, मनोज यादव, राहुल वर्मा, राजेश यादव, अनिल सिंह, मो. आमिर, अमरनाथ गिरी, राम आशीष तूफानी, दिनेश तिवारी, रजवन्त यादव, अवधेश मौर्या, संजय सिंह, पंकज यादव, विशाल यादव, रविन्द्र यादव, सूरज यादव, नन्दकिशोर यादव, गौरीशंकर, सुग्रीव प्रसाद, चीनी चौधरी के साथ ही पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

# नाना और नाती से गौर पुलिस द्वारा धन उगाही का मामला गरमाया

### –भारतीय दलित वर्ग संघ के राष्ट्रीय सचिव साधू शरन आर्य ने किया दोषी पुलिस कर्मियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही की मांग

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती । नाना और नाती से गौर पुलिस द्वारा चोरी के कथित मामले में एक लाख रूपये की धन उगाही और नाबालिग को अपराधी बना देने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। भारतीय दलित वर्ग संघ के राष्ट्रीय सचिव साधू शरन आर्य ने पुलिस अधीक्षक, पुलिस महानिदेशक, मानवाधिकार आयोग, अनुसूचित जाति जन जाति आयोग को रजिस्टर्ड पत्र भेजकर मामले की उच्च स्तरीय जांच और गौर के थानाध्यक्ष के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुये निर्दोष दलित परिवार को न्याय दिलाने का आग्रह किया है। समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचारों की कतरन के साथ भेजे पत्र में साधू शरन आर्य ने कहा है कि पुलिस उच्चाधिकारियों द्वारा अभी तक कोई प्रभावी कार्यवाही न किये जाने से आशंका बढ गयी है कि गौर पुलिस दलित कैलाशनाथ और उनके परिजनों को अन्य किसी मामले में फंसाकर उत्पीड़न कर सकती है।

भारतीय दलित वर्ग संघ के राष्ट्रीय सचिव साधू शरन आर्य ने पुलिस अधीक्षक, पुलिस महानिदेशक, मानवाधिकार आयोग, अनुसूचित जाति जन जाति आयोग को रजिस्टर्ड पत्र में कहा है कि गौर थाना क्षेत्र के वार्ड नम्बर 14 चन्द्रशेखर आजाद नगर निवासी दलित कैलाशनाथ के घर के सामने शिव कुमार के घर में गत 31 अगस्त को चोरी हो गई। सूचना पर गौर और बभनान पुलिस मौके पर पहुंची। कैलाशनाथ के घर में लगे सी.सी.टी.वी. फुटेज को देखा फोटो में चोर की पहचान न होने पर पुलिस चली गई। 3 सितम्बर को गौर व पुलिस चौकी बभनान पुलिस उनके घर पहुंची और उन्हें और नाती 11 वर्षीय अंश को गाडी पर बैठाकर थाने ले गयी। दो दिन तक गौर पुलिस ने नाबालिग अंश और 70 वर्षीय कैलाशनाथ को को मारा पीटा, धमकियां दी। गौर थानाध्यक्ष राम कुमार राजभर, बभनान पुलिस चौकी इन्चार्ज अनन्त कुमार मिश्र, सिपाही लवकुश यादव ने नाना और नाती को छोड़ने के लिये चार लाख रूपये की मांग किया। न देने पर चोरी के फर्जी मुकदमें में फंसाने की धमकी दी। कैलाशनाथ के अनुसार गौर पुलिस ने एक लाख रूपये की रिश्वत लेकर उन्हें छोड़ दिया और नाबालिक नाती अंश का चालान कर दिया। तीसरे दिन वह जमानत पर छूटा।

उन्होने मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने के साथ ही दोषी एक लाख रूपये की धन उगाही करने वाले गौर पुलिस कर्मियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने की मांग किया है। यदि दलित कैलाशनाथ उसके या परिवार के साथ कोई अनहोनी होती है तो गौर थानाध्यक्ष राम कुमार राजभर, बभनान पुलिस चौकी इन्चार्ज अनन्त कुमार मिश्र, सिपाही लवकुश यादव आदि को भी जिम्मेदार माना जाय। साधू शरन आर्य ने चेतावनी दिया है कि यदि शीघ्र प्रभावी कार्यवाही न की गई तो भारतीय दलित वर्ग संघ आन्दोलन को बाध्य होगा।

## निविदा प्रक्रिया में मनमानी का आरोपः मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की मांग

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती । भारतीय किसान यूनियन भानु गुट के मण्डल अध्यक्ष नागेश प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री, मण्डलायुक्त, और प्रमुख सचिव को पत्र देकर अधीक्षण अभियन्ता राप्ती नहर निर्माण मण्डल–2 आनन्द कुमार आनन्द द्वारा आमंत्रित निविदा सूचना संख्या 1,2,3,4 एवं 5/2024–25 में किये जा रहे भ्रष्टाचार के मामले की जांच कराते हुये प्रभावी कार्रवाई कह माग किया है।

भेजे पत्र में नागेश प्रताप सिंह ने कहा है कि अधीक्षण अभियंता राप्ती नहर निर्माण मंडल आनन्द कुमार आनन्द द्वारा द्वारा आमंत्रित निविदा सुचना संख्या 1,2,3,4 एवं 5/2024–25 विभिन्न कार्यों की लगभग 100 करोड़ की निविदाएँ आमंत्रित की गयी थी जिसमे प्रत्येक कार्यो पर लगभग 10–15 ठेकेदारों ने निविदा में प्रतिभाग किया था लेकिन अधीक्षण अभियंता द्वारा मनमानी पूर्ण तरीके से प्रत्येक लाट पर 2 या 3 ठेकेदारों की निविदाये पात्र की गयी है। इससे यह प्रतीत होता है की इनके द्वारा बड़े पैमाने पर धनउगाही करके अपने चहेते ठेकेदारों को निविदा दे दी गयी है, यदि निविदा पारदर्शी ढंग से की जाती तो निविदा की दरें तुलनात्मक रूप से 20 से 25 प्रतिशत कम आती एवं लगभग 20 से 25 करोड़ राजकीय धन के दुरूपयोग होने से रोका जा सकता था। इनकी कार्य शैली से ठेकेदारों में आक्रोश है। उन्होने मांग किया है कि निविदा कि किसी गैर विभागीय अधिकारी से जाँच कराकर दोषी अधिकारियों, कर्मचारियों के विरूद्ध कार्रवाई की जाय।

## शिवपूजन मिश्र अध्यक्ष, हरीराम वंसल महामंत्री निर्वाचित

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती । गुरूवार को उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद द्वारा प्रदेश संरक्षक डॉ. राम नरेश सिंह 'मंजुल' के संयोजन में प्रेस क्लब सभागार में शैक्षिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के बाद संगठनात्मक चुनाव हुये जिसमें डॉ. के.पी. मिश्र, डॉ. गिरजेश श्रीवास्तव, डॉ. आर.जी. सिंह, रन बहादुर सिंह संरक्षक, उमाशंकर यादव मण्डल अध्यक्ष, राम कोमल सिंह मण्डलीय मंत्री, शिवपूजन मिश्र जिलाध्यक्ष बस्ती, हरीराम वंसल महामंत्री, अजित प्रताप सिंह कोषाध्यक्ष, विनोद राय, माया देवी, राम भवन, अनिल कुमार यादव, विनय कुमार तिवारी उपाध्यक्ष, अनुपमा जी मिश्र, प्रदीप कुमार तिवारी, राजेश प्रताप सिंह, मनोज भाष्कर, सुनील कुमार पाण्डेय, चक्रपाणि पाठक, संयुक्त मंत्री, राम वचन वरूण संचार मंत्री के साथ ही धनंजय वर्मा, आशुतोष मिश्र, विजय सेन सिंह, सुधीर कुमार शर्मा, युगुल किशोर मिश्र, राजित राम वर्मा कार्यकारिणी में शामिल किये गये।

नव निर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण कराते हुये उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद के प्रदेशीय उपाध्यक्ष देव भाष्कर तिवारी ने मुख्य अतिथि के रूप में अपने सम्बोधन में कहा कि परिषद लगातार प्रधानाचार्यों की समस्याओं के निराकरण के लिये प्रान्तीय स्तर पर संघर्षरत है। कहा कि पदाधिकारी पूरी निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का पालन करें।

### –उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद के शैक्षिक संगोष्ठी में विमर्शः अधिकारों के लिये संघर्ष का आवाहन

शैक्षिक संगोष्ठी को डॉ. मिथलेश सिंह, डॉ. दिनेश मणि त्रिपाठी, डॉ. माधव प्रसाद सिंह ने कहा कि प्रधानाचार्यों की समस्याओं के निराकरण के लिये परिषद निर्णायक कदम उठायेगा और जिला विद्यालय निरीक्षकों की हठवादिता नहीं चलने पायेगी। इसके लिये एकजुटता की जरूरत है। संगोष्ठी में राम कोमल सिंह, उमाशंकर यादव, शिवपूजन मिश्र ने महत्वपूर्ण सुझाव दिये। मुख्य रूप से अनिल कुमार भाष्कर, सुनील कुमार पाण्डेय, वृजेश तिवारी, राम भवन, चन्द्रसेन, राजेश प्रताप सिंह, विकास सिंह मुस्लिमा खातून, मायादेवी, के साथ ही जनपद के अनेक प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

## फलाहार कार्यक्रम में शक्ति की उपासना पर विमर्श

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। प्रेस क्लब कार्यकारिणी की ओर से 9 वें वर्ष महा अष्टमी के पावन पर्व पर फलाहार कार्यक्रम आयोजित किया गया। वक्ताओं ने प्रेस क्लब की ओर से अनवरत इस कार्यक्रम को आयोजित किये जाने पर अध्यक्ष, महामंत्री समेत पूरी कार्यकारिणी को साधुवाद दिया। वरिष्ठ पत्रकार केडी मिश्रा ने कहा शक्ति की उपासना का पर्व है। यह ऐसा कालखण्ड है जब एक उदंड व्यक्ति भी अनुशासित होकर आचरण करता है और सारे अहंकार भुलाकर देवी के चरणों में श्रद्धा से सिर झुकाता है। उन्होने सभी पत्रकारों को पर्व की बधाइयां व शुभकामनायें दिया।

वरिष्ठ पत्रकार दिनेश चन्द्र सांकृत्यायन ने कहा मां दुर्गा ने धरती पर राक्षसों और तमाम बुराइयों को खत्म कर पूरे ब्रह्माण्ड को शक्ति का अहसास कराया। हमे हर वक्त इस बात का अहसास होना चाहिये कि हम हर वक्त उसी सर्वोच्च सत्ता के अधीन हैं। इस अवसर पर प्रेस क्लब महामंत्री महेन्द्र तिवारी, चन्द्रप्रकाश

शर्मा, कौशल कुमार ओझा, अरूणेश श्रीवास्तव, सरदार जगवीर सिंह, अशोक श्रीवास्तव, शहंशाह आलम, सामइन फारूकी, सर्वेश श्रीवास्तव आदि ने भी सम्बोधित किया। भावेश पाण्डेय, अंकुर वर्मा, राघवेन्द्र मिश्र, विपिन बिहारी त्रिपाठी, स्कन्द शुक्ला, हरिओम लल्ला, राकेश चन्द्र श्रीवास्तव बिन्नू, पुनीत दत्त ओझा, सुरेश सिंह गौतम, डा. सत्यव्रत, विश्राम प्रसाद, दिलीप पाण्डेय, आलोक श्रीवास्तव, शिवराज सिंह, पराशर पाण्डेय, तबरेज आलम, सरदार सर्वजीत सिंह, संदीप गोयल, अनिल भेलखा, अजीत श्रीवास्तव, दिनेश कुमार पाण्डेय, अमर सोनी, अनुराग श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव, अनिल पाण्डेय, राघवेन्द्र सिंह, पारसनाथ मौर्या, सुनील मिश्रा, राकेश गिरि, राजीव शुक्ल, राजेश पाण्डेय, रमेश मिश्रा, राजेश मिश्रा, रजनीश त्रिपाठी, सर्वेश शुक्ला, राजेन्द्र उपाध्याय, रणदीप माथुर आदि मौजूद रहे।

*"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स*

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 11 अक्टूबर 2024 शुक्रवार

## सम्पादकीय

# एक थे रतन टाटा

देश के जाने–माने उद्योगपति और टाटा संस के मानद चेयरमैन एमिरेट्स रतन टाटा नहीं रहे। 86 साल की उम्र में भी सक्रिय शीर्ष उद्योगपति ने बुधवार रात करीब 11.30 बजे मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस ली। टाटा समूह 2023–24 में 13 लाख 85 हजार करोड़ रुपये के राजस्व के साथ दुनिया के सबसे बड़े उद्योग समूहों में से एक है। भारत के रतन कहे जाने वाले दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा अरबपतियों में शामिल होने के बावजूद अपनी सादगी से हर किसी का दिल जीत लेते थे। वह उन शख्सियतों में शुमार थे, जिनका हर कोई सम्मान करता था। कई मौकों पर उन्होंने गरीब और जरूरतमंद लोगों की मदद कर भारतीयों को गर्व महसूस कराया। रतन टाटा वह शख्स थे जिन्होंने बड़े अधिग्रहणों के साथ एक स्थिर और विशाल भारतीय समूह को वैश्विक मंच पर स्थापित किया। टाटा समूह ने बुधवार देर रात एक बयान में उनके निधन की जानकारी दी।

रतन टाटा के निधन के बाद टाटा समूह ने कहा, 'हम बहुत बड़ी क्षति के साथ रतन नवल टाटा को विदाई दे रहे हैं, वे वास्तव में एक असाधारण नेता थे, जिनके अतुलनीय योगदान ने न केवल टाटा समूह को बल्कि हमारे राष्ट्र के ढांचे को भी आकार दिया।' भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, 'रतन टाटा एक दूरदर्शी कारोबारी नेता, एक दयालु आत्मा और एक असाधारण इंसान थे। उनके निधन से मुझे बहुत दुख हुआ। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के साथ हैं।

अमेरिका के कॉर्नेल विश्वविद्यालय से वास्तुकला में स्नातक की डिग्री हासिल करने के बाद रतन टाटा भारत लौटे और 1962 में उस समूह के लिए काम करना शुरू किया जिसकी स्थापना उनके परदादा ने लगभग सौ साल पहले किया था। अपनी सेवा के दौरान उन्होंने टाटा समूह की कई टाटा कंपनियों में काम किया, जिनमें टेल्को (अब टाटा मोटर्स लिमिटेड) और टाटा स्टील लिमिटेड जैसी कंपनियों शामिल हैं। आगे चलकर उन्होंने टाटा की एक अन्य इकाई नेशनल रेडियो एंड इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी में घाटे को खत्म करके बाजार हिस्सेदारी बढ़ाई जिससे उनकी अलग पहचान बनी।

1991 में, जब रतन टाटा के चाचा जेआरडी टाटा ने पद छोड़ा, तब उन्हें समूह की कमान सौंपी गई। उन्होंने 1991 से दिसंबर 2012 तक नमक से लेकर सॉफ्टवेयर बनाने वाली कंपनी 'टाटा संस' के अध्यक्ष के रूप में टाटा ग्रुप का नेतृत्व किया। यह कमान उनके हाथों में उस समय सौंपी गई जब भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था में क्रांतिकारी सुधारों की शुरुआत की थी। उसी दौरान सरकार ने अर्थव्यवस्था को वैश्विक निवेश के लिए खोला जिससे और देश में बड़े विकास का दौर शुरू हुआ। अपने शुरुआती दिनों में रतन टाटा समूह की कई कंपनियों में लंबे समय से काबिज कुछ दिग्गजों की शक्तियों पर लगाम लगाने की कोशिश की। कंपनियों में सेवानिवृत्ति की आयु निर्धारित की गई और युवा लोगों को वरिष्ठ पदों पर पदोन्नत किया गया। इस कंपनियों पर उनका नियंत्रण बढ़ता गया।

उन्होंने दूरसंचार कंपनी टाटा टेलीसर्विसेज की स्थापना की। 1996 में उन्होंने आईटी फर्म टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज को अपने अधीन कर लिया। समूह की आमदनी में बड़ा हिस्सा देने वाली इस कंपनी को 2004 में सार्वजनिक किया गया। रतन टाटा के नेतृत्व में समुचित विकास के लिए समूह ने यह निश्चय किया कि उसे भारतीय सीमाओं से परे भी देखना होगा। अपनी कारोबारी यात्रा पर 2013 में स्टैनफोर्ड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस को दिए एक साक्षात्कार में टाटा ने कहा था, ष्यह विकास की खोज थी और हमें आधारभूत नियमों को बदलना था, ताकि हम अधिग्रहण के माध्यम से खुद को आगे ले जा सके। यह हमने पहले कभी नहीं किया था।' समूह ने 2000 में ब्रिटिश चाय कंपनी टेटली को 432 मिलियन डॉलर में और 2007 में एंग्लो–डच स्टील निर्माता कोरस को 13 बिलियन डॉलर में खरीदा था। यह उस समय किसी भारतीय कंपनी की ओर से की गई विदेशी कंपनी का सबसे बड़ा अधिग्रहण था। इसके बाद टाटा मोटर्स ने फोर्ड मोटर कंपनी (एफएन) से ब्रिटिश लग्जरी ऑटो ब्रांड जगुआर और लैंड रोवर का अधिग्रहण किया। यह सौदा 2008 में 2.3 बिलियन डॉलर में हुआ।

टाटा मोटर्स में उनकी पसंदीदा परियोजनाओं में इंडिका (भारत में डिजाइन और निर्मित पहली कार) और नैनो (जिसे दुनिया की सबसे सस्ती कार बताया गया) शामिल थी। रतन टाटा ने दोनों मॉडलों के लिए शुरुआती स्केच तैयार किए थे। इंडिका व्यावसायिक रूप से सफल रही। हालांकि, नैनो, जिसकी कीमत मात्र 100,000 रुपये (लगभग 1,200 डॉलर) थी और जो भारत के आम लोगों के लिए एक किफायती कार बनाने के रतन टाटा के सपने की परिणति थी, को सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं और गड़बड़ मार्केटिंग के कारण नुकसान उठाना पड़ा। लॉन्च होने के एक दशक बाद ही इसे बंद कर दिया गया। रतन टाटा एक लाइसेंसधारी पायलट थे, जो कभी–कभी कंपनी का विमान भी उड़ाते थे। उन्होंने कभी विवाह नहीं किया और वे अपने शांत आचरण, अपेक्षाकृत साधारण जीवनशैली और परोपकारी कार्यों के लिए जाने गए। समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस की लगभग दो–तिहाई शेयर पूंजी परोपकारी ट्रस्टों के पास है।

# बहुत याद आयेंगे रतन टाटा

**—अभिनय आकाश—**

बात बिजनेसमैन रतन टाटा की नहीं एक इंसान रतन टाटा की करेंगे। उनकी जिंदगी के निजी किस्सों को आपको बताते हैं, जिसका असर उनकी पेशेवर जिंदगी पर भी पड़ा। न जाने कितने लाखों–करोड़ो लोग हैं जो कभी रतन टाटा से नहीं मिले। लेकिन उनकी जीवन पर रतन टाटा ने प्रभाव जरूर डाला है। एक शख्स जिसने जिंदगी भर सिर्फ बिजनेस किया और कुछ नहीं। फैसले लेता गया और फिर उसे अपनी जिद, जूनून और लगन से सही साबित करता गया। रतन टाटा ये नाम सुनते ही दिमाग में एक महान उद्योगपति की छवि उभर आती है। लेकिन उनकी शख्सियत को एक सफल उद्योगपति तक ही सीमित नहीं किया जा सकता। उनसे नई पीढ़ी बहुत कुछ सीख भी सकती है। वो सिखाते हैं कि व्यापार में मुनाफे के साथ–साथ सम्मान कैसे कमाया जाता है और सबकुछ व्यापार ही नहीं होता। विरासत को समेटने की लगन कैसी होती है। आत्मसम्मान और पूर्वजों की प्रतिष्ठा को बचा पाना कितना जरूरी है। लेकिन आज बात बिजनेसमैन रतन टाटा की नहीं एक इंसान रतन टाटा की करेंगे।

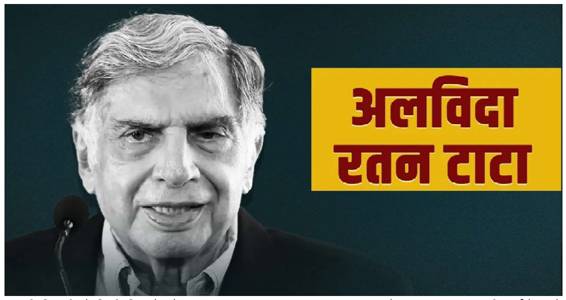


उनकी जिंदगी के निजी किस्सों को आपको बताते हैं, जिसका असर उनकी पेशेवर जिंदगी पर भी पड़ा। न जाने कितने लाखों–करोड़ो लोग हैं जो कभी रतन टाटा से नहीं मिले। लेकिन उनकी जीवन पर रतन टाटा ने प्रभाव जरूर डाला है।

..रतन टाटा ने कभी शादी नहीं की और उन्होंने हमेशा काम को सर्वोपरि रखा। लेकिन ऐसा नहीं है कि वो शादी नहीं करने वाले थे या उनको कभी प्यार नहीं हुआ। रतन टाटा की अपनी एक लव स्टोरी है। लेकिन आपको सुनकर ये हैरानी भी होगी कि उनकी शादी होने भी वाली थी। लेकिन चीन की वजह से शादी नहीं हो पाई। अब आप कह रहे होंगे की रतन टाटा की शादी में चीन कहां से आ गया? कमबख्त, हर जगह घुसा चला आता है। दरअसल, सीएनएन इंटरनेशनल को दिए एक इंटरव्यू में रतन टाटा ने खुद इसका खुलासा किया था। उन्होंने बताया था कि अमेरिका में पढ़ाई के दौरान उन्हें एक लड़की से प्यार हुआ था। दोनों का रिश्ता काफी मैच्योर था और दोनों शादी के लिए तैयार भी हो गए थे। लेकिन लड़की भारत नहीं आना चाहती थी। उसी दौरान भारत और चीन के बीच में जंग छिड़ गई थी। उस समय के हालात देखकर रतन टाटा की गर्लफ्रेंड को बहुत डर लगने लगा।

उधर भारत में रतन की दादी की तबीयत भी खराब हो गई थी। जिसकी वजह से उन्हें तुरंत भारत लौटना पड़ा। रतन टाटा तो भारत आ गए लेकिन उनकी प्रेमिका उनके साथ नहीं आईं। कुछ दिनों के बाद उन्होंने अमेरिका में ही किसी और से शादी कर ली। उस इंटरव्यू में रतन ने कबूल किया था कि चार बार उनकी शादी बस होते होते रह गई थी। रतन टाटा ने शादी, बच्चों और जिंदगी के खालीपन का जिक्र एक बार एक्ट्रेस सिमी ग्रेवाल से भी किया था। सिमी ग्रेवाल ने रतन टाटा से पूछा था कि उन्होंने कभी शादी क्यों नहीं की? जवाब में रतन टाटा ने कहा था कि बहुत सारी चीजें हुईं, जिन्होंने मुझे शादी करने से रोक दिया। टाइमिंग सही नहीं रही और फिर काम में इतना मशगूल हो गया कि टाइम ही नहीं रहा। मैं कई बार शादी करने के नजदीक पहुंचा, पर बात नहीं बनी।

टाटा ग्रुप कई दिग्गज कंपनियों का संचालन करती है। टाटा ग्रुप की प्रमुख कंपनियों में एयर इंडिया, टीसीएस, टाटा मोटर्स, टाटा नमक, टाटा चाय, जगुआर लैंड रोवर, टाइटन, फास्ट्रैक, तनिष्क, स्टारबक्स, वोल्टास, जारा, वेस्टसाइड, कल्टफिट, टाटा एआईजी, टाटा एआईए लाइफ, टाटा प्ले, टाटा वनएमजी और टाटा कैपिटल ब्रांड्स शामिल हैं। टाटा समूह की कंपनियों ने हाल ही में देश में सेमीकंडक्टर के निर्माण में भी कदम रखा है। टाटा ग्रुप के मार्केट कैप की ही बात करें, तो यह पाकिस्तान की जीडीपी से भी ज्यादा है। पाकिस्तान की जीडीपी के इस साल के आखिर तक 347 अरब डॉलर हो जाने का अनुमान है। जबकि टाटा ग्रुप का मार्केट कैप जुलाई 2024 में ही 400 अरब डॉलर को पार कर गया था। टाटा ग्रुप देश का पहला ऐसा कारोबारी ग्रुप है, जिसकी कंबाइंड वैल्यूएशन 400 अरब डॉलर को पार कर गई है।

ग्रुप की 26 कंपनियां स्टॉक एक्सचेंजों पर लिस्ट है। कंपनी नमक बनाने से एयरलाइन और सेमीकंडक्टर चिप बनाने तक के कारोबार से जुड़ी है। टाटा समूह की वेबसाइट के अनुसार 1868 में जमशेदजी टाटा द्वारा स्थापित टाटा समूह एक वैश्विक उद्यम है, जिसका मुख्यालय भारत में है और जिसमें दस क्षेत्रों की 30 कंपनियां शामिल हैं। यह समूह छह महाद्वीपों के 100 से अधिक देशों में काम करता है। टाटा संस टाटा कंपनियों की प्रमुख निवेश होल्डिंग कंपनी और प्रमोटर है। टाटा संस की इक्विटी शेयर पूंजी का 66 प्रतिशत हिस्सा परोपकारी ट्रस्टों के पास है, जो शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका सृजन और कला व संस्कृतिक विकास का समर्थन करते हैं। 2023–24 में टाटा कंपनियों का कुल राजस्व 165 बिलियन डॉलर से ज्यादा था। प्रत्येक टाटा कंपनी या उद्यम अपने स्वयं के निदेशक मंडल के मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के तहत स्वतंत्र रूप से काम करता है। 31 मार्च, 2024 तक 365 बिलियन डॉलर से अधिक के संयुक्त बाजार पूंजीकरण के साथ टाटा के पास 26 सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध उद्यम हैं। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

# चुनावी विश्लेषणों की विश्वसनीयता पर संकट

**—क्षमा शर्मा—**

मध्यकाल के महान भक्त कवि तुलसीदास ने लिखा था– कोउ नृप होय, हमें का हानि। सोचिए कि तुलसी ने ऐसा क्यों लिखा होगा। हानि शब्द पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। कारण यह है कि सत्ता के बारे में अकसर लोग शंकित रहते हैं कि सत्ता में जो हो, उससे जरा बचकर रहना चाहिए। वह लाभ पहुंचाए या न पहुंचाए, हानि तो जरूर पहुंचा सकता है। आज के दौर में भी यह बात पूरी तरह से सच है। नेताओं से तो लोग वैसे ही डरकर रहते हैं।

हरियाणा चुनाव में हमने देखा कि लगभग सारे एग्जिट पोल्स, ओपिनियन पोल्स, बुद्धिजीवियों की फौज की लगातार की बहुत–सी बहसें, गलत साबित हुईं। जून में लोकसभा चुनाव के वक्त भी यही हुआ था। योगेंद्र यादव, जो खुद हरियाणा के हैं, हाल ही में उन्होंने एक भाषण के दौरान कहा था कि हरियाणा में कांग्रेस के बारे में तीन बातें कही जा सकती हैं कि कांग्रेस की हवा बह रही है, कांग्रेस की आंधी चल रही है या कांग्रेस की सुनामी आ रही है। हरियाणा के परिणाम के बाद मशहूर पत्रकार बरखा दत्त को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि वह गलत साबित हुए और इसका खेद है। उन्होंने कहा कि अब तक उन्होंने लगभग सौ चुनावी विश्लेषण किए हैं, मगर चुनाव का ऐसा उलटफेर पहली बार देखा। योगेंद्र यादव मशहूर चुनावी विश्लेषक या सैफोलोजिस्ट रह चुके हैं। उनका यह बड़प्पन माना जाएगा कि अपनी गलती फौरन स्वीकार भी की। अक्सर लोग ऐसा नहीं करते हैं।

समय के साथ तमाम चुनावी विश्लेषणों की विश्वसनीयता पर संकट गहराता जा रहा है। कई बार तो लगता है कि जैसे कोई कहीं गया ही नहीं । बैठकर ही, कुछ से बातें करके करोड़ों, लाखों के आंकड़े निकाल लिए गए। जम्मू–कश्मीर का चुनाव जीतने के बाद उमर अब्दुल्ला ने कहा भी कि एग्जिट पोल खामखा का टाइम वेस्ट है। दरअसल, ऐसा महसूस होता है कि चुनावी विश्लेषक लोगों को अपने से कम बुद्धिमान समझते हैं। बहुत से बुद्धिजीवियों और पत्रकारों का भी यही हाल है। उन्हें लगता है कि जो वे बता रहे हैं, बस वही सच है। जबकि ऐसा होता नहीं है। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर का यह बयान गौर करने लायक है कि उनकी पार्टी की जीत में साइलेंट वोटर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आखिर यह साइलेंट वोटर कौन होता है। वही न जो अपने मन की बात किसी को नहीं बताता। और क्यों बताए। विश्लेषक तो अपने–अपने माइक्रोफोन लेकर निकल लेंगे, कभी न लौटने के लिए। भुगतना तो उसे पड़ेगा। वैसे भी स्थानीय नेताओं का खुलेआम विरोध करके कौन आफत मोल लेना चाहता है। खुलकर विरोध वे लोग नहीं कर पाते जो, अकेले होते हैं, घर परिवार और जीवन चलाना होता है। जिनके पीछे किसी न किसी संगठन की ताकत होती है, वे ही खुलकर बोल पाते हैं क्योंकि यदि कोई मुसीबत आए भी तो संगठन के लोग उन्हें बचा सकते हैं। खुलकर विरोध का मतलब कई बार जीवन भर की दुश्मनी मोल लेना भी होता है।

इसे अनुभूत उदाहरणों से बताना चाहूंगी। जिस संस्थान में काम करती थी, वहां यूनियन के चुनावों के दौरान अकसर ही सभी गुटों और नेताओं से यही कहना पड़ता था कि हां जी आपको ही वोट देंगे। दरअसल, जो लोग सत्ता में आते थे, और उन्हें पता चल जाए कि इस आदमी या महिला ने हमें वोट नहीं दिया, तो उसके इन्क्रीमेंट, प्रमोशन रुकवाने की कोशिश, छिपाकर नहीं, बताकर की जाती थी कि तुमने हमें वोट नहीं दिया था, तो हम तुम्हारा प्रमोशन क्यों होने दें।

इसी तरह एक सोसायटी में रहने वाली महिला ने बताया था कि उसकी सोसायटी का जनरल सेक्रेटरी उसकी रजिस्ट्री नहीं होने दे रहा है। पूछने पर उसने कहा कि वे लोग कहते हैं कि तुमने हमें वोट नहीं दिया, तो हम तुम्हारी रजिस्ट्री क्यों होने दें। वोटर क्यों किसी बाहर वाले को अपने मन की बात नहीं बताता, इसे इन दो उद्धरणों से समझा जा सकता है। चुनावी विश्लेषक सोचते हैं कि जो लोग कह रहे हैं, वही अंतिम सत्य है और वे अपने आंकड़ों में उसे ही परोस देते हैं। उमर अब्दुल्ला ने आखिर गलत भी नहीं कहा। आखिर क्यों इन विश्लेषणों पर लाखों–करोड़ों रुपए खर्च किए जाएं और नतीजा सिफर रहे। ऊपर तुलसी की पंक्तियों में जिस हानि की बात कही गई, वह बार–बार साबित होती है। और वैसे भी जब कोई अपने आसपास वालों तक को अपने मन की बात नहीं बताता, तो बाहर से आए इन तथाकथित विशेषज्ञों को क्यों बताए। ये बार–बार चाहे कहते रहें कि वोटर का मूड इन्हें पता चल गया है, लेकिन गलत साबित हुए एग्जिट पोल यही बताते हैं कि वोटर इन्हें अपने मूड की, अपने मन की बात की भनक तक नहीं लगने देता।

लोकतंत्र में अगर हार–जीत न हो, तो वह किस बात का लोकतंत्र। लेकिन देश की परिपक्व पार्टी यदि इस तरह से रिएक्ट करती है, उससे भी आश्चर्य होता है। आप जीत जाएं तो न इलेक्शन कमीशन गलत है, न ईवीएम गलत हैं। लेकिन जैसे ही हारते हैं, रुदन शुरू हो जाता है। सब बातों पर प्रश्न उठाए जाने लगते हैं। आखिर क्यों। जब जीतते हैं, तब भी तो वही चुनाव आयोग होता है, वही ईवीएम भी होती हैं। इस तरह की प्रतिक्रियाएं देखकर बच्चे याद आते हैं, जो कभी हारना नहीं चाहते। हार जाएं तो रोते हुए कहते हैं कि मैं नहीं हारा। मैं नहीं मानता। इस तरह की प्रतिक्रियाएं बहुत हास्यास्पद लगती हैं। और एक तरह से वोटरों का अपमान भी।

आखिर आप वोटर के विवेक पर यकीन क्यों नहीं करते। जिस बैलट पेपर को बार–बार वापस लाने की बातें की जा रही हैं, क्या हम वे दिन भूल गए हैं, जब लोगों को वोट ही नहीं डालने दिए जाते थे। लोग वोट डालने जाते थे, तो कहा जाता था कि वोट तो पड़ चुका। वोटों के बक्से छीन लिए जाते थे। कोई भी तकनीक सौ फीसदी सुरक्षित नहीं होती, यह माना जा सकता है। लेकिन वह तभी खराब होती है, जब आप हार जाएं और जीतें तो कोई प्रश्न न उठाएं तो आखिर कौन आप पर विश्वास करेगा।

वैसे भी हरियाणा में ऐसा तो नहीं हुआ है कि कांग्रेस की स्थिति खराब हो। इस दल को भी सैंतीस सीटें मिली हैं, जो भारतीय जनता पार्टी से मात्र ग्यारह कम हैं। तो फिर इतने विरोध का कारण क्या है। यानी कि एग्जिट पोल पर सौ फीसदी भरोसा। दरअसल, यह भरोसा भी तभी होता है जब एग्जिट पोल आपको जीतते दिखाएं। जब भी एग्जिट पोल जिस दल को हराने की बात करते हैं, तो वे यही कहते हैं कि इनका क्या भरोसा। ऐसा जून में हमने होते देखा था। जब लोकसभा के चुनावों में भाजपा को भारी बहुमत की घोषणा लगभग सभी एग्जिट पोल्स ने की थी और कांग्रेस तथा अन्य दलों ने इन पर अविश्वास जताया था। हालांकि एग्जिट पोल्स गलत साबित हुए थे। सभी दलों को ये पंक्तियां जरूर याद रखनी चाहिए– क्या हार में क्या जीत में, किंचित नहीं भयभीत मैं।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

# क्या फिर से लागू होंगे तीनों कृषि कानून

**—उत्तम गुप्ता—**

क्या ये कानून भारत के लाखों संघर्षरत किसानों और उपभोक्ताओं के सामने आने वाली गहरी समस्याओं को संबोधित करने का एक खोया हुआ अवसर था? हाल ही में, भाजपा के एक सांसद ने 3 राष्ट्रीय कृषि कानूनों को फिर से लागू करने की बात कही। विपक्षी दलों की आलोचना का सामना करते हुए, भाजपा के एक प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि 'उनका बयान पार्टी के विचार का प्रतिनिधित्व नहीं करता है'। मोदी सरकार इन कानूनों को वापस लाने का इरादा नहीं रखती है।

वे कानून क्या थे? – सितंबर 2020 में लागू किए गए इन कानूनों में सबसे दूरगामी कानून किसान उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) अधिनियम, 2020 था। इसने केंद्र को अंतर–राज्य व्यापार को विनियमित करने की अनुमति दी, जिससे किसान या व्यापारी को व्यापार और वाणिज्य करने की स्वतंत्रता मिली, जबकि व्यापारियों को देश में कहीं भी, यहां तक कि निर्दिष्ट राज्य ए.पी.एम.सी. (कृषि उपज बाजार समिति) के बाहर भी किसानों से सीधे निर्दिष्ट कृषि वस्तुओं को खरीदने की अनुमति मिली। दूसरा कानून था मूल्य आश्वासन और कृषि सेवा पर किसान (सशक्तिकरण और संरक्षण) समझौता अधिनियम, 2020। इसने किसानों को प्रोसैसर, एग्रीगेटर, बड़े खुदरा विक्रेताओं आदि के साथ 'निष्पक्ष' और 'पारदर्शी' तरीके से जुडने के लिए एक कानूनी ढांचा प्रदान किया। तीसरा कानून आवश्यक वस्तु (संशोधन) अधिनियम, 2020 था। इसने दालों, अनाज, खाद्य तेल, तिलहन, प्याज और आलू को इस पुराने कानून के दायरे से बाहर कर दिया। इन कानूनों के लागू होने से लंबे समय तक विरोध प्रदर्शन हुए जो ज्यादातर पंजाब, हरियाणा और दिल्ली तक ही सीमित थे। जनवरी 2021 में, सुप्रीम कोर्ट ने उनके कार्यान्वयन पर रोक लगा दी और गहन समीक्षा करने के लिए एक समिति का गठन किया। 3 महीने की निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रस्तुत समिति की रिपोर्ट कभी सार्वजनिक नहीं की गई। इस बीच, किसानों ने अपना आंदोलन जारी रखा। 19 नवंबर, 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें निरस्त करने की घोषणा की।

क्या उनमें कुछ गड़बड़ थी? – लेकिन, सबसे पहले, हमें यह पूछना होगा कि कृषि उपज के विपणन पर मौजूदा कानून किसानों के साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं। महाराष्ट्र के सोलापुर के एक किसान की व्यापक रूप से बताई गई दुर्दशा सब कुछ बयां कर देती है। पिछले साल, उसे सोलापुर मार्कीट यार्ड में एक व्यापारी को 1 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से 512 किलोग्राम प्याज बेचने पर मात्र 2.49 रुपए मिले, कुल बिक्री मूल्य 512 रुपए थाय श्रम, तौल, परिवहन और अन्य शुल्कों को घटाने के बाद 509.5 रुपए की कुल राशि हुई, जो 2.5 रुपए थी। स्पष्ट है, यह लाभ नहीं है। इसे प्राप्त करने के लिए, हमें इसमें से 512 किलोग्राम प्याज के उत्पादन की लागत घटानी होगी जिसमें बीज, उर्वरक, कीटनाशक, सिंचाई आदि पर होने वाले खर्च शामिल हैं।

**यह सही है कि भारतीय खाद्य निगम (एफ.सी.आई.), भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (नेफेड) जैसी राज्य एजेंसियां राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एन.एफ.एस.ए.) के तहत मुफ्त खाद्यान्न वितरण जैसी कल्याणकारी योजनाओं को चलाने के लिए आवश्यक फसलों की मंडियों से खरीद करती हैं। वे केंद्र द्वारा अधिसूचित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) पर खरीदारी करती हैं। लेकिन उनकी खरीद सीमित है।**

किसान को कम कीमत क्यों मिलती है? – ऐसा इसलिए है क्योंकि वह अपनी उपज केवल राज्य ए.पी.एम.सी. अधिनियम के तहत 'निध्दष्ट' मंडी में ही बेच सकता है। मंडी में, कमीशन एजेंटों (वे उपज की नीलामी और डिलीवरी की व्यवस्था करते हैं)के लिए स्थानीय शब्द और लाइसैंस प्राप्त व्यापारीध्खरीदार का बोलबाला है। ये दोनों कम कीमत देकर, अस्वीकार करके, कम तोल करके, भुगतान में देरी करके उसका भरपूर शोषण करते हैं। ए.पी.एम.सी. मंडियां किसानों द्वारा बेची जाने वाली मात्रा का केवल एक अंश ही संभाल सकती हैं। इसलिए, उनमें से अधिकांश को निजी स्थानीय बाजारों में आने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जहां बिक्री कानूनी रूप से प्रतिबंधित है। इन बाजारों में, वे अपनी उपज को औने–पौने दामों पर व्यापारियों को बेच देते हैं। बाद वाले को भ्रष्ट नौकरशाहों और राजनेताओं का आशीर्वाद प्राप्त है (कई मामलों में, वे या उनके रिश्तेदार भी व्यापारियों के रूप में दिखावा करते हैं) और इसलिए, कानून का उल्लंघन करने के लिए किसी भी कार्रवाई का सामना नहीं करना पड़ता है।

यह सही है कि भारतीय खाद्य निगम (एफ.सी.आई.), भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (नेफेड) जैसी राज्य एजेंसियां राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एन.एफ.एस.ए.) के तहत मुफ्त खाद्यान्न वितरण जैसी कल्याणकारी योजनाओं को चलाने के लिए आवश्यक फसलों की मंडियों से खरीद करती हैं। वे केंद्र द्वारा अधिसूचित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) पर खरीदारी करती हैं। लेकिन उनकी खरीद सीमित है। धान और गेहूं को छोड़कर, जहां एजेंसियां किसानों की उपज का केवल 30 प्रतिशत ही खरीदती हैं, अन्य सभी फसलों के लिए उनकी खरीद नगण्य है। फिर भी केवल 6 प्रतिशत किसान जिनमें से अधिकतर बड़े जोत वाले अमीर हैं , सरकारी खरीद का लाभ पाते हैं।

संक्षेप में, मौजूदा समय में ए.पी.एम.सी. कानूनों के तहत, अधिकांश गरीब किसानों को बेहतर मूल्य मिलने की कोई उम्मीद नहीं है। वे घोर गरीबी में जीने को मजबूर हैं और भारी कर्ज में डूबे हुए हैं, जिसके कारण आत्महत्याएं भी हो रही हैं। एन.एफ.एस.ए. के तहत 820 मिलियन लोगों को मुफ्त भोजन मिल रहा है, लेकिन इसमें एक बहुत बड़ी संख्या उन लोगों की है जो अपनी जरूरतों को बाजार से खरीदते हैंय यहां तक कि एन.एफ.एस.ए. के लाभार्थी भी गेहूंध्चावल के अलावा अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए बाजार पर निर्भर हैं।

किसानों को बेचने के लिए और उपभोक्ताओं को खरीदने के लिए और अधिक विकल्प देना है। यही वह है जो तीनों कानूनों ने करने की कोशिश की है। इन कानूनों ने ए.पी.एम.सी. मंडियों को परेशान किए बिना सभी गैर–ए.पी.एम.सी. प्लेटफार्मों जैसे निजी व्यापारियों, प्रोसैसर, एग्रीगेटर, निर्यातकों आदि पर बिक्री को वैध बनाया। सरकार उन कानूनों के बारे में बात भी नहीं कर पा रही हैय पुनरुत्थान की तो बात ही छोडिए।

# सीएम योगी ने किया मां पाटेश्वरी देवी की पूजा-अर्चना, बच्चों को दिए चाकलेट, गायों को खिलाया गुड़

संवाददाता–बलरामपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज बलरामपुर के मां पाटेश्वरी देवी मंदिर में दर्शन पूजन किया। इसके बाद मंदिर में आए हुए भक्तों का हाल–चाल जाना, छोटे बच्चों को चॉकलेट दिए और गौशाला में गायों को गुड़ भी खिलाया। सीएम योगी बुधवार को बलरामपुर पहुंचे थे। उन्होंने कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों और कानून व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री योगी ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी/ग्रामीण) , मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण, ऑपरेशन कायाकल्प, स्कूल चलो अभियान, जल जीवन मिशन, गोवंश टीकाकरण–ईयर टैगिंग, गोवंश संरक्षण, बाढ़ निरोधक कार्यों, वृक्षारोपण महाअभियान, संचारी रोग नियंत्रण अभियान समेत जनपद की महत्वपूर्ण परियोजनाओं की चर्चा की।

सीएम योगी ने कहा कि बलरामपुर बाढ़ प्रभावित जनपद है। बाढ़ रोकने के लिए स्थायी समाधान निकाला जाए। इसके लिए राप्ती नदी को चौनेलाइज किए जाने का प्रयास किया जाए। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जनपद के सभी संपर्क मार्ग अच्छी स्थिति में हों। सड़कों को गड्ढामुक्त किया जाए। नई सड़क और सेतु के लिए जनप्रतिनिधियों के साथ प्रस्ताव बनाकर भेजें, शासन से तुरंत धनराशि प्रदान की जाएगी। सीएम ने भूमि चिह्नित कर नए गोवंश संरक्षण केंद्र बनाए जाने एवं कंप्रेस्ड बायोगैस इत्यादि का उत्पादन भी किए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने कानून व्यवस्था की समीक्षा के दौरान कहा कि दुर्गापूजा, रामलीला, दीपावली, छठ समेत सभी त्योहारों को सकुशल संपन्न कराएं। माहौल बिगाड़ने वाले तत्वों पर कतई ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऐसे तत्वों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान बिजली और सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सीएम ने माफिया पर कार्रवाई को लेकर भी जोर रहा। उन्होंने कहा कि जनपद के टॉप 10 माफिया को चिह्नित करें और उन पर कड़ी कार्रवाई भी करें। मजिस्ट्रेट एवं पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से पेट्रोलिंग की जाए। सीएम ने महिला सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बढ़ते जाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि व्यापरिक प्रतिष्ठान, स्कूलों–कॉलेज आदि पर सीसीटीवी कैमरा अवश्य लगा हो। सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म आदि पर कड़ी निगरानी रखे जाने का भी निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री योगी ने निर्देश दिया कि मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय का निर्माण समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण हो। यहां के युवाओं को शिक्षा के लिए बाहर नहीं जाना पड़े, इसके लिए सरकार यहां इसका निर्माण करा रही है। निर्माण कार्य की निगरानी के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति किए जाए। सीएम योगी ने कहा कि बिना भेदभाव शासन की योजनाओं का लाभ आमजन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित हो। थारू जनजाति गांवों के साथ अनुसूचित जाति गांवों में भी कैंप लगाकर कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्रता के आधार पर दिलाया जाए। वहीं, जल जीवन मिशन योजना की समीक्षा करते हुए सीएम योगी ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत पाइप डालने का कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए। खुदाई के बाद सड़कों को तुरंत दुरुस्त कराया जाए।

सीएम ने प्लेज पार्क स्थापित करने के साथ ही जनपद में औद्योगिक गतिविधियों और रोजगार सृजन को निरंतर बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास पर जोर दिया। उन्होंने प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने के निर्देश दिया। यह भी कहा कि ग्राम पंचायतों में साफ सफाई के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। ग्राम पंचायत सचिवालय में ग्रामीणों को सभी सुविधाएं मिलें। उन्होंने जनपद को प्लास्टिक मुक्त किए जाने का निर्देश दिया। गांवों और शहरों में ड्रेनेज की बेहतर व्यवस्था हो।

इसके अलावा सीएम योगी ने जनपद में निर्माणाधीन 'मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय' का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिया कि यह विश्वविद्यालय 'मां पाटेश्वरी' के नाम पर बनाया जा रहा है। कार्य में तेजी लाते हुए समयबद्ध ढंग से इसे पूरा किया जाए।

# बस व कार की आमने-सामने टक्कर, देवीपाटन से दर्शन करके लौट रहे पिता-पुत्र की मौत, चार घायल

संवाददाता–बलरामपुर। 730 राष्ट्रीय राजमार्ग पर बृहस्पतिवार को शिवानगर गांव के पास बस व कार की आमने सामने भिड़ंत हो गई। देवीपाटन में मां पाटेश्वरी का दर्शन करके लौट रहे गोंडा के विशुनपुर बैरिया रौतावां निवासी पिता–पुत्र की मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल हो गए। घायलों को जिला मेमोरियल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गोंडा के कोतवाली देहात के विशुनपुर बैरिया ग्राम पंचायत के रौतावां निवासी सुखदेव यादव ने बताया कि बृहस्पतिवार की सुबह कार से वह परिवार के लोगों के साथ देवीपाटन मंदिर तुलसीपुर दर्शन करने गया था। दर्शन करने के बाद वह वापस गोंडा जा रहा था, तभी तुलसीपुर से आगे बढ़ने पर बौद्ध परिपथ शिवा नगर गांव के पास सामने से आ रही बस ने उसकी कार को ठोकर मार दी। इससे कार सड़क किनारे गड्ढे में चली गई। इसमें कार में सवार सभी घायल हो गए।

घायलों को जिला मेमोरियल अस्पताल लाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने पिता जगदंबा प्रसाद (45) व पुत्र शिवसहाय (20) को मृत घोषित कर दिया। इसके अतिरिक्त हादसे में घायल सुखदेव, हरिशंकर, पंकज व संतोष को मेमोरियल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सीओ ललिया ज्योतिश्री ने मौके पर पहुंचकर जानकारी ली है। घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दी गई है।

# रतन टाटा के निधन पर कांग्रेसियों ने जताया शोक

संवाददाता–देवरिया। उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर कांग्रेसियों ने टाउन हॉल स्थित पार्टी कार्यालय पर बैठक कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। इसमें जिलाध्यक्ष रामजी गिरि ने कहा कि रतन टाटा के निधन से देश व उद्योग जगत की अपूरणीय क्षति हुई है। उन्होंने सादगी भरे जीवन से सबको प्रेरित किया तथा देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में योगदान दिया। उनके निधन पर सुयश मणि त्रिपाठी, बिस्मिल्लाह मुन्ना लारी, राघवेन्द्र सिंह राकेश, डॉ धर्मेन्द्र पांडेय, आलोक त्रिपाठी राजन, आनन्द देव गिरि, नीलेश त्रिपाठी, दीनदयाल यादव, सत्यप्रकाश मणि, नागेन्द्र शुक्ल, वरुण राय, रामअशीष साहनी,भरत मणि त्रिपाठी,जगरनाथ यादव, सत्यप्रकाश मिश्र, दीनदयाल प्रसाद, सुनील द्विवेदी, मार्कण्डेय मिश्र, गोविन्द मिश्र, सत्यम पाण्डेय, वशिष्ठ मोदनवाल, प्रेमलाल भारती, बदरे आलम, मनोज मणि, अवधेश यादव, दयाशंकर द्विवेदी, अशोक गौंड, मधु शर्मा, समीर पांडेय, महेंद्र अम्बेडकर, सुबाष राय, धर्मेन्द्र पाण्डेय, शम्भूनाथ दीक्षित, रामप्रवेश सिंह आदि ने शोक व्यक्त किया।

# चोरी के शक में 3 दलित बच्चों का सिर मुंडवाया, चीखते-चिल्लाते रहे बच्चे, डंडे बरसाते रहे हैवान

संवाददाता–बहराइच। जिले में दबंगों की गजब कारस्तानी सामने आई है। यहां 12 से 14 वर्ष के तीन बच्चों को बिजली के तार से पीटा गया, तीनों के सिर मुंडवाए और माथे पर चोर लिखकर गांव में घुमाया है। यह सब पांच किलो गेहूं चोरी के शक में नानपारा इलाके में दबंग कुक्कुट फार्म मालिकों और एक पूर्व ग्राम प्रधान ने मिलकर किया है। शिकायत मिलने पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तीन को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि नानपारा कोतवाली क्षेत्र के ताजपुर टेड़िया गांव में मंगलवार दोपहर कुक्कुट फार्म संचालक नाजिम और उसके बेटे कासिम तथा इनायत नामक एक अन्य व्यक्ति ने काम पर नहीं आने से नाराज होकर एक दलित और दो पिछड़े वर्ग के बच्चों पर पांच किलोग्राम गेहूं चोरी करने का आरोप लगाया और उन पर अत्याचार किया। इस दौरान पूर्व ग्राम प्रधान शानू ने भी बच्चों को धमकाया।

ग्रामीणों के मुताबिक तीनों बच्चे नाजिम के कुक्कुट फार्म पर काम करते थे मगर वे पिछले कुछ दिनों से काम पर नहीं आ रहे थे। इसी को लेकर नाजिम नाराज था। बच्चों का आरोप है कि मंगलवार की दोपहर नाजिम, कासिम और इनायत ने उन्हें धोखे से बुलाया और उन पर पांच किलोग्राम गेहूं चोरी करने का इल्जाम लगाते हुए बिजली के तार से पीटा, गला दबाया और तीनों के सिर मुंडवा दिये।

तीनों के मुंह पर कालिख पोत दी गयी और माथे पर श्चोरश लिखवा दिया और हाथ बांधकर पूरे गांव में घुमाया। बाद में मौके पर पहुंचे पूर्व ग्राम प्रधान शानू ने भी उन्हें धमकाया। ग्रामीणों का आरोप है कि अभियुक्तों ने मोबाइल फोन से घटना का वीडियो भी बनाया है।

कोतवाली नानपारा के प्रभारी निरीक्षक प्रदीप सिंह ने बृस्पतिवार को बताया कि बच्चों के परिजनों की तहरीर पर चारों आरोपियों के खिलाफ बुधवार को भारतीय न्याय संहिता की धारा 115 (2) (मारपीट), 352 (जानबूझकर अपमानित करना), 351 (धमकाना), 109 (हत्या का प्रयास) तथा एससीएसटी एक्ट की धारा 3(2) व 3(1) के तहत मुकदमा पंजीकृत कर नाजिम, कासिम व इनायत को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूर्व प्रधान शानू फरार है। पुलिस सूत्रों के अनुसार गांव में शांति है लेकिन मामला दो समुदायों से जुड़ा है इसलिए एहतियातन गांव में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

# संतों महंतों के नेतृत्व में मनाई गई पूर्व रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या में समाजवादी पार्टी संस्थापक व देश के पूर्व रक्षामंत्री स्व. मुलायम सिंह यादव की द्वितीय पुण्यतिथि मां सरयू के तट पर विराजमान भजनानंदी संत करतलिया बाबा आश्रम नया घाट पर आश्रम के वर्तमान पीठाधीश्वर बाल योगी महंत रामदास महाराज के संयोजन में मनाया गया। जिसमें श्रद्धांजलि सभा के पूर्व महंत रामदास के नेतृत्व में पूजन अर्चन किया गया,गरीबों को वस्त्र और अन्न वितरण किया गया और श्रद्धांजलि सभा के बाद सभी लोगों के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।श्रद्धांजलि सभा का शुभारंभ करते हुए रामदास महाराज ने कहा कि मुलायम सिंह यादव जमीनी नेता थे किसानों के नेता थे और आज समाजवादी पार्टी के लोग उनके बनाए हुए रास्ते पर चलकर समाज को आगे बढ़ने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाला समय समाजवादियों का है क्योंकि वर्तमान सरकार समाज को बांटने का कार्य कर रही।

मुख्य अतिथि पवन पांडे ने कहा कि मुलायम सिंह यादव मजलूम किसान गरीब के नेता थे इसीलिए उन्हें नेताजी के नाम से संबोधित किया जाता है। वर्तमान समय में प्रदेश ही नहीं बल्कि देश की जनता मुलायम सिंह जैसे नेताओं की आवश्यकता को समझ रही है और यही कारण है की उत्तर प्रदेश के उपचुनाव और 2027 के चुनाव में समाजवादी विचारधारा की जीत होगी। पार्षद प्रतिनिधि मिथिलेश यादव उर्फ सोनू ने कहा कि हम युवाओं के प्रेरणा स्रोत हैं पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव उनके संघर्षों को याद करते हुए हम लोग निरंतर आगे बढ़ रहे हैं और निश्चित रूप से हमें संघर्षों का फल मिलेगा। कार्यक्रम में समाजवादी शिक्षक सभा के जिला अध्यक्ष दानबहादुर सिंह,घनश्याम यादव, श्याम वर्मा, विकास वर्मा, महंत आनंद दास, महंत विनोद दास, गिरीश दास, अखिलेश पाण्डेय, काशी यादव के साथ सैकड़ों की संख्या में साधु संत एवं समाजवादी नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

# मां दुर्गा की पट्टी खोलने के बाद आतिशबाजी पर दो वर्ग भिड़े, ईंट-पत्थर चले, मची भगदड़

संवाददाता–बलरामपुर। छपिया थाना क्षेत्र के मसकनवा बाजार के मिश्रित आबादी क्षेत्र में एक दुर्गा प्रतिमा स्थापित है। जिसके पास ही 3 घर मुस्लिमों के हैं। मंगलवार की रात्रि नवरात्र पर्व की सप्तमी होने के दृष्टिगत रात्रि करीब 11 बजे स्थापित दुर्गा प्रतिमा की आंखों पर बंधी पट्टी खोलकर इस प्रथा के दौरान गोले दागे जा रहे थे। जिसमें कुछ गोले पास में ही मुस्लिम समुदाय के लोगों के घर के सामने दाग दिए जाने पर मुस्लिम पक्ष के लोगों द्वारा विरोध किया गया। जिस पर दोनों पक्षों में वाद विवाद बढ़ गया। अक्रोशित होकर काफी संख्या में हिंदू पक्ष की भीड़ एकत्रित हो गई। सूचना ब्ल्ळ पर प्राप्त हुई थी। आसपास के जागरूक और संभ्रांत नागरिकों से टेलीफोनिकली भी संयमित रहने का आह्वान किया गया। पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया गया। डीएम और एसपी ने तत्काल मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना किया। बातचीत के माध्यम से भीड़ को समझा बुझाकर मामले को शांत किया गया। तथा भीड़ को मौके से हटाया गया। लगभग

सुबह चार बजे तक प्रशासनिक अधिकारी मय टीम मौके पर उपस्थित रहे एवं सतर्क निगरानी करते रहे। दुर्गा पूजा आयोजन समिति द्वारा मुस्लिम पक्ष पर कतिपय आरोप लगाए गये। जिसके संबंध में प्रार्थना पत्र प्राप्त कर थाना छपिया पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया। नामजद एक आरोपी असलम को पुलिस ने हिरासत में लेकर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने बताया कि छपिया थाना के मसकनवा कस्बा के मिश्रित आबादी में एक दुर्गा प्रतिमा स्थापित है। 9 अक्टूबर को रात्रि दुर्गा प्रतिमा के आंख की पट्टी खोले जाने की प्रथा को लेकर गोले पटाखे दागे जा रहे थे। जिस पर दूसरे पक्ष द्वारा वाद विवाद किया गया। तत्काल पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लोगों को समझा बूझकर माहौल शांति कराया गया। उच्च अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाया इसके बाद आयोजकों की तहरीर पर छपिया थाने में एक आरोपी के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर आरोपी को हिरासत में लिया गया है। एहतियातन मौके पर पुलिस और पीएसी के जवानों को तैनात कर दिया गया है। शांति व्यवस्था पूरी तरह से कायम है।

# युवक को पहले सरेराह पीटा, भागने पर ईंट से किया हमला

संवाददाता–देवरिया। शहर के परमार्थी पोखरे पर जा रहे जलकल रोड निवासी एक युवक को कुछ युवक घेर कर मारने–पीटने लगे। इस दौरान हमलावर अपशब्द भी बोल रहे थे। पीड़ित उनके चंगुल से निकल कर भागना चाहा तो हमलावरों ने ईंट पत्थर से हमला कर उसे जमीन पर गिरा दिया।

इसके बाद फरार हो गए। इधर इस पूरी वारदात की घटना पास में स्थित सीसीटीवी में कैद हो गई। पीड़ित ने आरोपी के विरुद्ध तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। शहर के जलकल रोड निवासी राजकुमार श्रीवास्तव पुत्र स्व. प्रकाश चंद्र श्रीवास्तव दो अक्तूबर को घर से परमार्थी पोखरे की तरफ दिन के करीब 3 बजकर 15 मिनट पर जा रहा था। इसी दौरान न्यू कालोनी निवासी एक युवक अपने दस से 12 साथियों के साथ राजकुमार को रोक लिया। अभी वह कुछ समझ पाता इतने में गालियां देते हुए मारने–पीटने लगे। किसी तरह से राजकुमार जान बचाकर उनके चंगुल से निकल कर भाग तो हमलावरों ने ईंट पत्थर से हमला बोल दिया। एक हमलावर ने बड़ी ईंट लेकर राजकुमार को पीछे से मारा, जिससे वह जमीन पर गिर पड़ा। यह देख हमलावर भाग खड़े हुए। मारपीट व हमले की पूरी घटना पास में लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पीड़ित ने फुटेज व तहरीर कोतवाली पुलिस को देते हुए आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की है। कोतवाल दिलीप सिंह ने बताया कि आरोपियों की पहचान की जा रही है। पहचान के बाद कार्रवाई की जाएगी।

# तीसरा तेंदुआ पिंजरे में कैद, अब कुत्तों के झुंड ने भी मचाया आतंक

संवाददाता–बहराइच। बेझा गांव में पिंजरे में तीसरा तेंदुआ कैद हो गया है। जंगल से सटे गांवों में तेंदुआ ताबड़तोड़ मवेशियों का शिकार कर रहा था। ग्रामीणों की मांग पर दो तेंदुए कैद होने पर फिर पिंजरा लगाया गया था। वहीं कुत्तों के झुंड ने भी एक हिरन के शावक को नोंच कर घायल कर दिया। कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के ककरहा रेंज से सटे बेझा गांव में मोबाइल टावर के उत्तर दिशा की ओर लगाए गए पिंजरे में एक तेंदुआ कैद हो गया है। इसकी जानकारी होन पर वन महकमे की टीम मौके पर कैम्प कर रही है। पिंजरा ककरहा रेंज कार्यालय लाया गया है। मुर्तिहा कोतवाली के ककरहा रेंज के बेझा गांव में बुधवार रात लगभग 11 बजे शिकार की तलाश में निकला तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया। जानकारी मिलते ही वन दरोगा अशोक कुमार श्रीवास्तव, अमरनाथ वर्मा टीम के साथ पहुंच गए। 11 दिनों के भीतर ककरहा रेंज में तीसरा तेंदुआ कैद हुआ है।

29 सितम्बर को बेझा के मजरे मैकूपुरवा में तेंदुए के हमले में मौत का शिकार हुए 40 वर्षीय कंधई यादव की मौत के बाद उसी दिन रात में

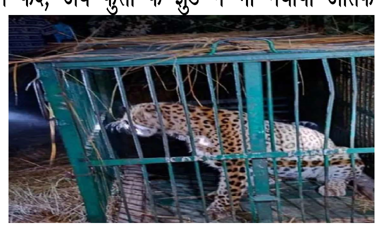

विशालकाय तेंदुआ पिंजरे में कैद हुआ था। जबकि 2 अक्टूबर की रात बेझा गांव के मजरे पचासा में पिंजरे में दूसरा तेंदुआ कैद हुआ था। एक अक्टूबर की रात सुजौली रेंज के अयोध्यापुरवा में भी एक तेंदुआ पकड़ा गया था। 11 दिनों के भीतर चार तेंदुए पकड़े जा चुके है। तेंदुआ पकड़े जाने की जानकारी रेंजर ने डीएफओ को दी है। बहराइच वन प्रभाग के रुपईडीहा रेंज के जंगल के किनारे खेत में हिरन के शावक को कुत्तों का झुंड घेरकर नोच रहा था। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत कर कुत्तों को खदेड़ कर उसकी जान बचाई। सूचना मिलने पर पहुंची वन महकमे की टीम ने घायल हिरन के शावक को कब्जे में लेकर पशु चिकित्सक से इलाज कराया जा रहा है। बहराइच वन प्रभाग के रुपईडीहा रेंज में बख्तावर गांव के मजरे हकीम गांव के पास मोगरे व शेख खेत के पास से बुधवार शाम जंगल से निकले हिरन के शावक को कुत्तों का झुंड घेरकर नोचने लगा। उधर से निकल रहे ग्रामीणों की निगाह हिरन के शावक पर पड़ी। ग्रामीणों को कुत्तों को खदेड़ने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। तब हिरन की जान बच सकी। ग्रामीण बच्चे को गांव ले आए ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी। वन महकमे की टीम पहुंची। घायल हिरन को लेकर पशु चिकित्सक को बुलाकर इलाज कराया है।

# विभीषण की शरणागति की लीला देख भाव विभोर हुए भक्त

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या में शारदीय नवरात्र के अवसर पर राजेंद्र निवास स्वर्गद्वार अयोध्या में अयोध्यास्थ श्री रामलीला महोत्सव समिति द्वारा आयोजित किया जा रहा है जिसमें बुधवार को दसवें दिन प्रभुश्री राम किस शरण में लंकाधिपति राजा रावण के भाई विभीषण कि शरणागति होती है, जब विभीषण रावण को माता सीता को श्री राम के पास पहुंच कर क्षमा मांगने की बात करते हैं तब रावण विभीषण को लंका से लात मार कर निकाल देता है और विभीषण प्रभु की शरणागति में पहुंच जाते हैं, प्रभु श्री राम विभीषण को अपने शरण में लेकर के लंका का राजा बना देत हैं। यह समाचार रावण को मिलता है रावण अट्टहास करते हुए कहता है कि एक देश निकाला दूसरे देश निकले को राजा बन रहा है। इसके उपरांत लीला में पुनः प्रभु श्री राम वानर सेना के साथ समुद्र पार करने की योजना बना रहे हैं कुछ समझ में नहीं आ रहा है तब विभीषण ने प्रभु श्री राम से कहां की समुद्र से आपको रास्ता रास्ता मांगना चाहिए यह बात लक्ष्मण को पसंद नहीं आई प्रभु ने तीन दिन तक समुद्र से अनुनय विनय करते रहे, जब समुद्र नहीं माना तब क्रोध किया समुद्र ने रास्ता बताया नल नील के सहयोग से सेतुबंध का निर्माण हुआ और पुरी सेना लंका पहुंच गई।आज की लीला में सियाराम किला पीठाधीश्वर महंत करुणानिधान शरण महाराज पहुंचे आरती उतारी और बताया कि लीला का दर्शन करना देखना और जीवन में उतरने से मनुष्य का कल्याण होता है। राजेंद्र निवास पर वर्षों से रामलीला का आयोजन हो रहा है, आयोजकों का मैं आभार व्यक्त करता हूं जो वह रामलीला निरंतर कर रहे हैं। महाराज जी के साथ उनके शिष्य प्रहलाद दास भी उपस्थित रहे।अतिथियों का स्वागत वरिष्ठ उपाध्यक्ष बधाई होने के महंत राजीव लोचन शरण और कोषाध्यक्ष डॉ प्रभाकर ने किया सैकड़ो की संख्या में लोग प्रतिदिन रामलीला देख रहे हैं। लीला में पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह पहुंचे आरती उतारी और सभी संतो का सम्मान किया।

# अयोध्या पहुंचकर पूर्व सांसद ने उतारी भगवान की आरती

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या में शारदीय नवरात्र के अवसर पर स्वामी श्री भागवताचार्य स्मारक सदन में ऐतिहासिक एवं पौराणिक रामलीला का आयोजन संत श्री तुलसीदास रामलीला न्यास के द्वारा आयोजित किया जा रहा है जिसमें गुरुवार को अंगद रावण संवाद की कथा देख साधु संत एवं भक्तजन भावविभोर हो गये, जब अंगद रावण की दरबार में पहुंचते हैं और माता सीता को प्रभु राम को सौंपने की बात करते हैं और कहते हैं कि प्रभु श्री राम दयालु हैं क्षमा कर देंगे तब रावण के कठ वचन पर अंगद अपना पाव जमीन में लगाकर कहते हैं कि अगर मेरे पांव को कोई हिला देगा तो प्रभु श्री राम माता सीता को लंका छोड़कर वापस लौट जाएंगे। सब लोग प्रयास करते हैं नहीं होता है तब रावण स्वयं उठना है तब अंगद कहते हैं कि हमारा पवन पकड़ो प्रभु श्री राम का पांव पकड़ो कल्याण होगा। उसके बाद युद्ध प्रारंभ होता है लक्ष्मण जी को शक्ति लगती है हनुमान जी महाराज संजीवनी बूटी लाते हैं लक्ष्मण जी की मूर्छा खत्म होती है प्रभुश्री राम से गले लगते हैं और लीला का यही समापन होता है।

वही दसवें दिन की रामलीला में कैसरगंज से पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह अयोध्या पहुंचे मणिराम दास की छावनी राजेंद्र निवास के साथ–साथ श्री भगवताचार्य स्मारक सदन की रामलीला में भगवान की आरती उतारी और कहा कि अयोध्या के छोटे बड़े में हमेशा उपस्थित रहूंगा मुझे केवल सूचना की आवश्यकता है। क्योंकि अयोध्या में संतों के बीच रहकर मेरी शिक्षा दीक्षा संपन्न हुई। आज की रामलीला का शुभारंभ भगवान की आरती उतार कर जगदगुरु रामानंदाचार्य स्वामी वल्लभाचार्य महाराज, नेता बृज भूषण शरण सिंह,संत श्री तुलसीदास रामलीला न्यास के महामंत्री संजय दास, कोषाध्यक्ष बड़ा भक्तमाल पीठाधीश्वर श्रीमहंत अवधेश कुमार दास, नागा राम लखन दास, आचार्य सत्यदेव दास, श्रीमहंत जयराम दास ,पुजारी हेमंत दास ,महंत धनुषधारी शुक्ला, अभिषेक दास , उमा शंकर दास ने किया अतिथियों का स्वागत शिवम श्रीवास्तव ने किया।

# मेघनाद वध व सती सुलोचना की लीला का मंचन

संवाददाता–गोण्डा। नगर के प्रसिद्ध श्रीराम लीला महोत्सव में गुरुवार को मेघनाद वध व सती सुलोचना की लीला का मंचन किया गया। लीला मंचन के दौरान सती सुलोचना के रोते बिलखते विमान पर सवार और टूटी चूड़ियों की बौछार लीला का आकर्षण बनी रही। लीला में दिखाया गया लक्ष्मण तथा मेघनाद में घनघोर युद्ध प्रारंभ हो जाता है। मेघनाद नागपाश द्वारा श्रीराम और लक्ष्मण को बांध देता है। रामा दल में हाहाकार मच जाता है। तब नारद जी गरुड़ को लाते हैं गरुड़ उन नागों का भक्षण करते हैं। श्रीराम व लक्ष्मण नागफांस से मुक्त हो जाते हैं। पुनः लक्ष्मण तथा मेघनाद में युद्ध प्रारंभ हो जाता है। अंत में मेघनाद के शीश तथा भुजा को बाण द्वारा लक्ष्मण जी काट देते हैं। मेघनाद की भुजा सुलोचना के महल में गिरती है। तथा शीश रामा दल में रखा जाता है सुलोचना अपनी सास मंदोदरी तथा ससुर रावण से आदेश लेकर डोली द्वारा रामा दल में अपने पति का शीश मांगने आती है। रामा दल के वीरों के प्रस्ताव पर श्रीराम सती से कहते हैं कि यदि तुम्हारे पति का शीश हंस दे तो तुम्हें शीश दे दिया जाएगा। सुलोचना ने सतीत्व का प्रमाण दिया, सुलोचना के अनुरोध पर मेघनाद का कटा शरीर जोर–जोर से हंसने लगा। जिसे देखकर सभी अचंभित हो गए। पति के शीश को लेकर सुलोचना चली आई और चिता को सजवा कर उसमें शीश सहित सती हो गई। लीला का संचालन पंडित रामचरित्र महाराज ने किया। इस मौके पर मोहित पाण्डेय, कामता नाथ वर्मा, राजेंद्र वर्मा, ज्वाला प्रसाद तिवारी, कन्हैया लाल वर्मा, संतोष पाण्डेय, अशीष गिरि, महंत गिरिजा शंकर गिरि, किशनू सिंह, विश्व नाथ शाह, अरमान पुरवार, सचिन गुप्ता आदि रहे।

# मुलायम सिंह यादव को सपाइयों ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता–देवरिया। नगर स्थित डाक बंगले पर गुरुवार को समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि मनाई। पूर्व विधायक मनबोध प्रसाद, सुरेश यादव, स्वामीनाथ यादव आदि पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। विधान सभा अध्यक्ष सुनील यादव ने कहा कि गांवों में लोगों को पार्टी से जोड़ कर मजबूत करें। मनबोध प्रसाद ने कहा कि मुलायम सिंह यादव पार्टी के लिए एवं दबे कुचले लोगों के मसीहा थे। उनके विचार को आत्मसात करना हम सभी के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कार्यक्रम में सूरज यादव, राम प्रकाश यादव उर्फ मुन्ना, अशोक यादव, राजित यादव, सुनील यादव, पवन यादव, विरेन्द्र यादव, मंजूर आलम, टुन्नू वर्मा, रामनरायन यादव, प्रज्ञा चौधरी, रंजना भारती, बासदेव यादव, नागेन्द्र पासवान, पवन प्रधान, राजध्कुध्मार गोंड़, जामवन्त विश्वकर्मा, प्रमोद गौतम, रंजना भारत प्रमोद ध्यादव, रामईकबाल प्रसाद, राजेश यादव, अवधेश यादव, मुन्ना भारती, बी पी राव आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# सीएम योगी ने दी सीख, 'संघर्षों से राह बनाएं युवा, सफलता कदम चूमेगी' प्रदेश बन रहा रोजगार का हब

**संवाददाता–गोरखपुर।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ज्ञान, विज्ञान और तकनीकी भारत के डीएनए में है। अपार संभावनाओं से परिपूर्ण हमारे युवाओं की तरफ पूरी दुनिया नई उम्मीद से देख रही है। निश्चित ही आने वाला समय भारत है। युवा संघर्षों से अपनी राह बनाएं, सफलता कदम चूमेगी। सीएम योगी गुरुवार को गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की तरफ से संचालित महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमपीआईटी) के प्रथम बैच के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के साथ संवाद कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश में ज्ञान, विज्ञान और श्रम की त्रिवेणी अनवरत प्रवाहित है। परंपरा, परिश्रम और प्रगति हमारी प्रवृत्ति का हिस्सा है।

यही प्रवृत्ति हमें दुनिया में सबसे विशिष्ट बनाती है। आवश्यकता है खुद को वैश्विक स्तर के अनुरूप खुद को तैयार करने की। हमें अभिभावकों की अपेक्षाओं पर भी खरा उतरना है। इसके लिए छात्र और शिक्षक कदम से कदम मिलाकर चलें। नेशनल–इंटरनेशनल जर्नल्स का नियमित अध्ययन करें और खुद को ई–लाइब्रेरी की तरफ अग्रसर करें। उन्होंने कहा कि हमें ऐसी तकनीकी पर ध्यान देना चाहिए जो जीवन को सरल और सहज बनाए, समस्याओं का समाधान करे। ऐसी तकनीकी पर फोकस करने की आवश्यकता है जो प्रकृति के साथ समन्वय बनाकर विकास को नई ऊंचाई पर ले जाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आज उत्तर प्रदेश रोजगार का बड़ा हब बन रहा है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश आज के तकनीकी दौर की महत्वपूर्ण जरूरत सेमी कंडक्टर का हब बनने की दिशा में काफी आगे बढ़ चुका है। इसमें सीधे निवेश के साथ कई गुना चक्रीय निवेश भी हो रहा है। इसके अनुरूप प्रशिक्षित श्रम उपलब्ध कराने के लिए आगे आने की जिम्मेदारी तकनीकी संस्थाओं की है। सीएम योगी ने कहा कि कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दुनियाभर में विख्यात सिलिकॉन वैली में भारत का दबदबा है और इसमें उत्तर प्रदेश के युवाओं की बड़ी हिस्सेदारी है। सिलिकॉन वैली, हैदराबाद और बेंगलुरु के बाद उत्तर प्रदेश को भी इस दिशा में तीव्रतम गति से आगे बढ़ना है।

इसी लक्ष्य को लेकर पूर्वी उत्तर प्रदेश का पहला स्टेट ऑफ आर्ट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमपीआईटी) में स्थापित हो रहा है। विश्व स्तरीय मानक के अनुरूप यह सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पूर्वी उत्तर प्रदेश के पंद्रह अन्य तकनीकी शिक्षण संस्थानों के लिए भी महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। उन्होंने बताया किएमपीआईटी परिसर के अलग–अलग सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ड्रोन टेक्नोलॉजी एंड थ्री डी प्रिंटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्पेस टेक्नोलॉजी, समेत कई एकीकृत पाठ्यक्रम भी संचालित होंगे। ग्लोबल स्टैंडर्ड के पाठ्यक्रम से जुड़कर विद्यार्थी यहां प्रोफेशनल सर्टिफिकेट कोर्स, माइनर डिग्री कोर्स और एडवांस कोर्स के जरिये खुद को संबंधित उद्योग–सेवा के क्षेत्र के अनुरूप तैयार कर सकेंगे। संवाद कार्यक्रम में सीएम योगी ने फैकल्टी का आह्वान किया कि वे ग्लोबल मार्केट की डिमांड का अध्ययन करें और उसके अनुरूप पाठ्यक्रम तैयार करें। हमारा जोर मॉडर्न एज कोर्सेज पर होना चाहिए। उन्होंने बताया कि टाटा कंसल्टेंसी इस पर खासा काम कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 1956 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने पहला पॉलिटेक्निक शुरू किया था। आज महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक प्रदेश के टॉप पोलिटेक्निक्स में से एक है। इसी प्रेरणा से हमें मिलकर महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमपीआईटी) को आने वाले पांच साल में यूपी का टॉप इंस्टिट्यूट बनाना है। इसके लिए आवश्यक है कि संस्था को इंडस्ट्री से जोड़ा जाए और युवाओं को सतत स्किल्ड बनाया जाए। एमपीआईटी के प्रथम बैच के छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम में कई विद्यार्थियों में ज्ञान, विज्ञान, तकनीकी, रोजगार आदि विषय पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से प्रश्न भी किए। सीएम योगी ने सभी के प्रश्नों पर अपना मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर सांसद रविकिशन शुक्ल भी उपस्थित रहे। संवाद कार्यक्रम में स्वागत संबोधन एमपीआईटी के निदेशक डॉ. सुधीर अग्रवाल ने तथा आभार ज्ञापन एमपी पॉलिटेक्निक के प्रधानाचार्य डॉ. अनिल प्रकाश सिंह ने किया।

# एक पत्नी खोजने होटल पहुंची थी पुलिस, प्रेमियों के साथ मिल गईं चार युवकों की पत्नियां, मचा बखेड़ा

**संवाददाता–गोरखपुर।** एक होटल से कई शादीशुदा युवतियों को पुलिस ने अपने प्रेमियों के साथ रंगरलियां मनाते पकड़ा है। अलग अलग कमरों से पुलिस ने कुल नौ जोड़ों को पकड़ा। होटलों मे छापेमारी के बाद सेक्स रैकेट तो पकड़े ही जाते रहे हैं। गोरखपुर के होटल में अजब तरह का रैकेट पकड़ में आ गया। पुलिस एक युवक की गुहार पर उसकी पत्नी को प्रेमी के साथ रंगे हाथ पकड़ने पहुंची थी। उसकी पत्नी तो होटल में नहीं मिली लेकिन अलग अलग कमरों में चार शादीशुदा युवतियां अपने–अपने प्रेमियों के साथ पकड़ी गईं। होटल में अचानक हुई छापेमारी के बाद खलबली मच गई। पुलिस ने कुल नौ जोड़ों को पकड़ा है।

सभी को थाने लाया जाने लगा तो बखेड़ा खड़ा हो गया। पुलिस ने किसी तरह युवतियों को समझाया और सभी के परिजनों को बुलाकर उनके हवाले कर दिया गया। होटल संचालक को हिरासत में लेकर पुलिस जांच कर रही है। चौरीचौरा थानाक्षेत्र के एक व्यक्ति ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी कि उसकी पत्नी फुटहवाइनार में स्थित एक होटल में अपने प्रेमी के साथ है। वह चाहता था कि पत्नी को रंगेहाथ पकड़े लेकिन बिना पुलिस लिए वहां जाने पर खतरा था। पति की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। डायल 112 पुलिस के साथ थाने की पुलिस भी पहुंच गई।

पुलिस के पहुंचने पर सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण भी इकट्ठा हो गए हैं। ग्रामीणों ने होटल में अनैतिक कार्य कराए जाने का आरोप लगाया। ग्रामीण भी होटल के एक–एक कमरों की जांच की मांग करने लगे। इसके बाद पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू की तो हैरान रह गई। होटल के कमरों से पुलिस ने नौ जोड़ों को पकड़ा। इनमें कॉल करने वाले व्यक्ति की पत्नी तो नहीं मिली लेकिन कई अन्य लोगों की पत्नियां अपने प्रेमियों के साथ मिल गईं। पहले तो युवतियों ने हो हल्ला मचाया। पुलिस ने किसी तरह उन्हें समझाया और परिजनों को बुलाकर उनके हवाले कर दिया। इसके बाद होटल संचालक को भी पुलिस ने हिरासत में ले लिया। ग्रामीणों ने होटल संचालक के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इससे पहले भी होटल व गेस्ट हाउस में अनैतिक कार्य करने को लेकर क्षेत्र की महिलाएं व पुरुष तहसील पर प्रदर्शन भी कर चुके है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से भी शिकायतें की जा चुकी है। लेकिन होटल व गेस्ट हाउस पर कोई गंभीर कार्रवाई नही हो पाई। इससे होटल में आए दिन कुछ न कुछ हंगामा और बवाल की सूचनाएं मिलती रहती हैं। इस मामले में करवाई को लेकर भी स्थानीय लोगों की खास नजर है।

## समिति करेगी इंटर्न, छात्रों का नर्तकियों संग वीडियो वायरल की जांच

**संवाददाता–गोरखपुर।** अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के इंटर्न और मेडिकल छात्रों का नर्तकियों के साथ डांस करने का वीडियो वायरल मामले को एम्स प्रशासन ने बेहद गंभीरता से लिया है। मामले में एम्स प्रशासन ने समिति का गठन करने का फैसला लिया है। समिति के रिपोर्ट के आधार पर इसमें शामिल लोगों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

एम्स प्रशासन ने बकायदा इसके लिए पत्र भी जारी किया है। इसमें सख्ती से जांच करते हुए कहा है कि इस तरह की घटना को एम्स प्रशासन बर्दाश्त नहीं करेगा। इसे गंभीरता से लेते हुए मामले की जांच कराई जाएगी। अनुशासन तोड़ने वाले लोगों के खिलाफ एम्स सख्त कार्रवाई करेगा। एम्स के मीडिया प्रभारी डॉ. अरुप मोहंती ने बताया कि एम्स के इंटर्न और मेडिकल छात्रों के वायरल वीडियो की जांच के लिए एक कमेटी का गठन किया जाएगा। एम्स के कार्यकारी निदेशक के निर्देश के बाद यह फैसला लिया गया है। कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर छात्रों और इंटर्न के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि एक इंटर्न के पिछले माह के बर्थडे के दौरान एक पार्टी रखी गई थी। पार्टी में चार नर्तकियों के साथ इंटर्न और जूनियर डॉक्टर डांस कर रहे हैं। मामले का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा है।

## समय पर लेते रहें परामर्श तो मानसिक स्वास्थ्य रहेगा बेहतर

**संवाददाता–सिद्धार्थनगर।** मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर गुरुवार को नौगढ़ पीएचसी पर स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। इसमें विधायक श्यामधनी राही ने कहा कि समय–समय पर लोगों को सेहत का परीक्षण कराते रहना चाहिए। परामर्श लेते रहे पर मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। इस दौरान मेले में आए लोगों के सेहत का परीक्षण किया गया और स्वस्थ रहने के लिए काउंसलिंग की गई। विधायक ने कहा कि बढ़ते दौर व समय के साथ–साथ दुनिया काफी आगे हो गया है, लेकिन दिक्कतें, समस्याएं व मानसिक अवसाद की दिक्कतें बढ़ी हैं। टेक्नालाजी के युवक में मोबाइल का अधिक इस्तेमाल भी कहीं न कहीं मानसिक तनाव दे रहा है। इससे बच्चे भी परेशान हैं। इस पर सभी को ध्यान देने की जरूरत है। एनसीडी कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. आशीष अग्रहरि ने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के दृष्टिगत शहर से लेकर गांव तक स्थापित स्वास्थ्य केंद्रों पर जागरूकता फैलाया जा रहा है। सीएचसी, पीएचसी, शहरी स्वास्थ्य केंद्र के अलावा ग्रामीण अंचल के आयुष्मान भारत केंद्रों से भी जागरूकता का अभियान चल रहा है। इन केंद्रों पर तैनात सीएचओ के माध्यम से जागरूकता फैलाई जा रही है। परिवार के सदस्य को अगर लगता है कि उनके परिवार,आस–पड़ोस में कोई भी व्यक्ति मानसिक स्वास्थ्य से परेशान है तो बिना देर किए मेडिकल कॉलेज के मानसिक स्वास्थ्य विभाग में पहुंचाकर परामर्श दिला सकते हैं। यहां सभी सुविधाएं मरीजों को आसानी से मिल सकेगी और लाभ भी होगा। इस दौरान शिविर में आए लोगों का स्वास्थ्य टीम ने परीक्षण किया। मानसिक स्वास्थ्य का हाल जाना और परामर्श देते हुए काउंसलिंग की। जरूरतमंदों को दवा भी वितरित किया गया। इस दौरान पीएसडब्लू डॉ.विजय कुमार, प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. संतोष गुप्त, बीसीपीएम रवि चौधरी, प्रदीप, लक्ष्मी, दीपमाला, प्रियंका, अनुपमा आदि मौजूद रहीं।

### छात्र-छात्राओं ने पोस्टर प्रदर्शनी से बताया मानसिक स्वास्थ्य का महत्व

**संवाददाता–सिद्धार्थनगर।** विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को शेमफोर्ड फ्यूचरिस्टिक स्कूल में विशेष मानसिक जागरूकता अभियान का आयोजन हुआ। इसमें विद्यार्थियों ने पोस्टर प्रदर्शनी और भाषणों के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य का महत्व बताया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय परिसर में हुई। विद्यार्थियों ने रंग–बिरंगे पोस्टर बनाकर मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने का प्रयास किया। इसके बाद विद्यार्थियों ने माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज में आयोजित विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस संगोष्ठी में शामिल हुए। इसमें छात्र तनय श्रीवास्तव, समर्थ गुप्त एवं रुद्रांश मिश्र ने अपने–अपने विचार रखे।

## कठिनइया नदी की झाड़ी में दूसरे दिन मिला सेल्समैन का शव

**संवाददाता–संतकबीरनगर।** जिले के महुली थाना क्षेत्र के ग्राम छितही निवासी 19 वर्षीय सेल्समैन का शव दूसरे दिन कठिनइया नदी के बगहवा बाबा कुटी के निकट झाड़ी में फंसा हुआ मिला। स्थानीय गोताखोर और डोंगी नाव से दूसरे दिन घण्टों चले सर्च आपरेशन के बाद महुली पुलिस को कामयाबी मिल सकी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

महुली थाना क्षेत्र के ग्राम छितही निवासी शमशुद्दीन उर्फ परवेज अहमद महुली में किराना दुकान चलाते हैं। उनका बेटा अजमल (19) गुटका कम्पनी में सेल्समैन का काम करता था। बुधवार को अपराह्न में उसने गुटका कम्पनी के साथी और डिस्ट्रिब्यूटर से मोबाइल पर वार्ता की। बताया कि वह अलीनगर पुल से नदी में कूद कर जान देने जा रहा है। इसके बाद फोन कट गया। कम्पनी के कर्मचारियों ने इसकी जानकारी परिजनों को दिया। आनन फानन में लोग अलीनगर पुल पहुंचे। वहां से अजमल गायब था, लेकिन पुल पर उसकी बाइक और डिग्गी में फोन, पर्स सहित अन्य सामान मिला। तब यह कयास लगाया जाने लगा कि अजमल कठिनइया नदी में कूद गया है। भारी संख्या में भीड़ लग गई। पुलिस स्थानीय गोताखोरों के माध्यम से नदी में शव की तलाश शुरू कराई। घण्टों प्रयास के बाद अंधेरा होने के चलते रोकना पड़ा। गुरुवार को पुलिस इंस्पेक्टर हरेश तिवारी अजमल की तलाश में भी डोंगी नाव से गोताखोरों को उतारा। मुखलिसपुर कुआनो नदी से कठिनइया नदी तक सर्च आपरेशन चलाया। बीस घण्टे बाद दूसरे दिन अलीनगर पुल से ढाई किलोमीटर दूरी पर स्थित बगहवा कुटी के निकट झाड़ी में अजमल का फंसा हुआ शव मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

## गन्ना समिति के चुनाव में भाजपा नेताओं पर मारपीट का आरोप

**संवाददाता–अयोध्या।** साधन सहकारी समिति मया बाजार में डायरेक्टर पद के लिए नामांकन करने पहुंचे सपा प्रत्याशी व नेताओं ने भाजपा प्रत्याशी के समर्थक व नेताओं पर मारपीट का आरोप लगाया है। सपा के पूर्व विधायक और प्रदेश महासचिव जयशंकर पांडेय से भी हाथापाई का आरोप है। मारपीट में तीन लोगों को चोटें आने का भी दावा किया गया है। पुलिस लाइन में सपा के नेता पीड़ितों के साथ पहुंचे और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मामले की शिकायत की है। सहकारी गन्ना विकास समिति लिमिटेड फैजाबाद में नामांकन करने के लिए बृहस्पतिवार को सपा प्रत्याशी रविंद्र पाल, पूर्व विधायक जयशंकर पांडेय व अन्य के साथ पहुंचे थे। आरोप है कि इस बीच भाजपा नेताओं ने मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान सपा प्रत्याशी रविंद्र पाल, शनि यादव व एक अन्य को भी चोटें आई हैं। पुलिस मामले की जांच अभी कर रही है।

# अवैध पटाखा भण्डारण में ट्रांसपोर्ट मालिक गिरफ्तार, दस पर मुकदमा दर्ज

**संवाददाता–संतकबीरनगर।** अवैधा पटाखा भण्डारण में ट्रांसपोर्ट मालिक गिरफ्तार, दस पर मुकदमा दर्ज संजकबीरनगर जिले की पुलिस ने अवैध पटाखा भण्डारण के आरोप में ट्रांसपोर्ट मालिक को गिरफ्तार किया है। बुधवार की देर शाम पुलिस के छापे में दो गोदाम से 216 गत्ते पटाखे बरामद हुए हैं। आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई कर जेल भेज दिया गया। वहीं पटाखे मंगाने वाले नौ व्यापारियों के विरुद्ध भी मुकदमा दर्ज किया गया है। जिले की एसओजी टीम व कोतवाली पुलिस ने अधिकारियों के साथ मंगलवार की देर शाम मेंहदावल बाईपास चौराहे से नेदुला की तरफ जाने वाली रोड पर स्थित स्टेट ट्रांसपोर्ट के गोदाम में छापा मारा। यह ट्रांसपोर्ट कार्यालय व गोदाम कृष्ण कुमार पुत्र लालचन्द्र निवासी छोटी सरौली का है। यहां से भारी मात्रा में अवैध रूप से भंडारण किये गए पटाखे की बरामदगी हुई इस आरोप में कृष्ण कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया। एसपी सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि दो गोदाम से 216 गत्ते पटाखे बरामद हुए हैं। इसका वजन करीब 58 कुंतल 07 किग्रा है। इसकी अनुमानित कीमत करीब 60 लाख रुपए है। दोनो गोदाम बेसमेंट आबादी क्षेत्र में है। इनके पास भंडारण का कोई लाइसेंस नहीं है। उक्त प्रकरण में थाना खलीलाबाद कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया।

ट्रांसपोर्टर कृष्ण कुमार पुत्र लालचन्द ने बताया गया कि वह स्टेट ट्रांसपोर्ट कम्पनी का मालिक है। उनके द्वारा ट्रांसपोर्ट के माध्यम से जनपद लखनऊ से यह पटाखे मंगाये गये थे। उक्त पटाखों को यह अपने दो गोदाम क्रमशः एक छोटी सरौली स्थित मकान के दो कमरों तथा शेष हाईवे के किनारे ट्रांसपोर्ट आफिस के नीचे बेसमेंट में बने गोदाम में रखे थे। छोटी सरौली में स्थित गोदाम में रखा कुल 92 गत्ता पटाखा शिवकुमार पुत्र जवाहर लाल निवासी गोला बाजार खलीलाबाद, मानस अग्रहरि पुत्र श्यामबिहारी अग्रहरि निवासी गोला बाजार खलीलाबाद का है। हाईवे के किनारे बेसमेंट मे बने गोदाम में रखा कुल 124 गत्ता पटाखा राजू अग्रहरि पुत्र जवाहर लाल निवासी गोला बाजार खलीलाबाद, अरुण कुमार अग्रहरि पुत्र माता प्रसाद निवासी घघसरा रोड पटखौली थाना सहजनवां जनपद गोरखपुर, राज गुप्ता पुत्र मनोज कुमार निवासी गोला बाजार खलीलाबाद, राजन गुप्ता पुत्र सुबाषचन्द्र निवासी मुखलिपुर रोड खलीलाबाद, श्याम कुमार पुत्र द्वारिका निवासी गोला बाजार हनुमानगढ़ी के पीछे खलीलाबाद, प्रमोद जायसवाल पुत्र ओमप्रकाश निवासी गोला बाजार खलीलाबाद एवं पवन कुमार पुत्र प्रेमचन्द निवासी महुली थाना महुली का है। इनके द्वारा भंडारण के लिए अपना गोदाम उपलब्ध कराया है जिसका वह किराया लेता है।

## जीवन में कभी हार न मानने वाले शख्स थे मुलायम सिंह यादव –सपा जिलाध्यक्ष

**संवाददाता–सिद्धार्थनगर।** देश की धरती ने एक ऐसा इंसान देखा है जिसने अपने वसूलों से न कभी सौदा किया और न ही कभी हार मानी। सपा संस्थापक व पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव पिछड़ों, दलितों व मजलूमों के मसीहा थे उन्होंने उनके उत्थान की हमेशा लड़ाई लड़ी थी। ये बातें सपा संस्थापक की दूसरी पुण्यतिथि पर सपा कार्यालय पर गुरुवार को आयोजित गोष्ठी में जिलाध्यक्ष लालजी यादव ने कहीं। उन्होंने कहा कि मुलायम सिंह कभी संकट से घबराते नहीं थे वह उसका मुकाबला डट कर करते थे। सियासी जीवन में तमाम उतार चढ़ाव के बाद कभी भी वह सौदेबाजी पर नहीं उतरे बल्कि देश व समाज का किस में भला है उसे लेकर अपनी आवाज बुलंद करते रहे। कहा कि देश में पिछड़ों को जो आरक्षण मिला है वह उनकी ही देन है। उन्होंने हर दौर में मजलूमों की लड़ाई लड़ी थी। उनके मार्ग पर चल कर हम समाज व देश का उत्थान कर सकते हैं। विधायक सैय्यदा खातून ने कहा कि नेताजी कल भी प्रेरणाश्रोत थे और आज भी हैं। उन्होंने देश व समाज के लिए जो काम किया है उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है। समाजवाद के रास्ते पर चल कर ही हम देश को ऊंचाइयों पर पहुंचाने का सपना साकार कर सकते हैं। संचालन महासचिव कमरुज्जमा खान ने किया। इससे पूर्व मुलायम सिंह यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान प्रदीप पथरकट, बेचई यादव, राम मिलन भारती, अनुपम यादव, उदयभान तिवारी, बहरैची प्रेमी, विजय चौधरी, सुनीता गोस्वामी आदि मौजूद रहीं।

## श्रद्धालुओं ने की मां महागौरी की पूजा

**संवाददाता–संतकबीरनगर।** जिले में शारदीय नवरात्र के आठवें दिन गुरुवार को अनुष्ठान कर रहे साधकों ने मां महागौरी का आवाहन कर पूजन–अर्चन किया। दुर्गा सप्तशती का पाठ किया। मां की पूजा के बाद मां के भक्तों ने मंदिर में पहुंच कर पूजा–अर्चना की। देवी मंदिरों में आए मां के भक्तों के जयकारे से मंदिर परिसर गूंजते रहे। श्रद्धालुओं की भोर से ही दर्शन के लिए भीड़ लगी रही। शारदीय नवरात्र के आठवें दिन श्रद्धालुओं ने मां के महागौरी स्वरूप का आवाहन किया। भक्तों ने घरों में मां के साथ आवाहित देवताओं का पूजन करने के बाद दुर्गा सप्तशती का पाठ किया। वहीं देवी मंदिरों में काफी भीड़ उमड़ी। जिला मुख्यालय पर समय माता मंदिर में भोर से ही भक्तों की कतार लग गई। मां के जयकारों से मंदिर परिसर गूंजता रहा। गायत्री शक्तिपीठ पर जुटे श्रद्धालुओं ने जप किया। रेलवे स्टेशन के निकट पुरानी समय माता मंदिर पर भी भक्तों की भीड़ रही। नगर के बरदहिया बाजार स्थित दुर्गा माता मंदिर भी मां के भक्तों ने पूजन किया।

### सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी संजय कुमार चौधरी पुत्र श्री राम किशोर चौधरी मोहल्ला– गांवगोड़िया जनपद बस्ती का निवासी है। मेरे माध्यमिक शिक्षा उ.प्र. हाई स्कूल वर्ष **2004** अनुक्रमांक **1969070** एवं इण्टर मीडिएट वर्ष **2006** अनुक्रमांक **1268923** के अंकपत्र एवं मूल प्रमाण पत्र में मेरा नाम **SANJAY KUMAR CHAUDHARY** के स्थान पर **SANJAI KUMAR CHAUDHARY** हो गया है जो गलत है। उसे SANJAY KUMAR CHAUDHARY कराया जाय।

### अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 कायदा 9) (2)

अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद 114/2022

इवारत हुसेन

बनाम

वली मोहम्मद

1/1 अब्दुल मालिक 1/2 अब्दुल खालिक 1/3 अब्दुल मजीद पुत्रगण वली मोहम्मद 2/1 नूरूलहुदा 2/2 कमरूलहुदा 2/3 सदरूलहुदा पुत्रगण शाह मोहम्मद निवासीगण ग्राम करही तप्पा उजियार परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

**तारीख पेशी 18–11–2024**

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 18 माह 11 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 10 माह 10 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

### अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0 286/2024

दीपचन्द शुक्ला–सायल

1 दीपचन्द शुक्ला उम्र लगभग 39 साल पुत्र स्व0 बुद्धिसागर शुक्ला निवासी ग्राम सकरदहा पोस्ट हर्रैया तहसील हर्रैया जिला–बस्ती पिन कोड–272155

**तारीख पेशी 14–10–2024**

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925

दरख्वास्त मुसम्मा वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 14–10–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

## गेट निर्माण का कार्य धीमी देख बिफरे डीएम

**संवाददाता–सिद्धार्थनगर।** डीएम डॉ. राजा गणपति आर ने गुरुवार को लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड की ओर से कराए जा रहे बर्डपुर–पिपरहवा मार्ग के चौड़ीकरण कार्य, अलीगढ़वा बॉर्डर पर गेट निर्माण व प्रकाश व्यवस्था कार्य का निरीक्षण किया। गेट निर्माण का कार्य धीमी मिलने पर बिफर पड़े। उन्होंने अफसरों को कार्य को समय से और गुणवत्तापूर्ण कराने का निर्देश दिया। डीएम ने गुरुवार को सबसे पहले बर्डपुर–पिपरहवा मार्ग के चौड़ीकरण कार्य का जायजा लिया। उन्होंने सड़क चौड़ीकरण के लिए स्वीकृत कार्य के इस्टीमेट व एमबी का मिलान किया। इसके बाद सड़क खोदवाकर गुणवत्ता देखी। कार्य मानक के अनुरूप मिला। डीएम ने निर्देश दिया कि शेष काम समय से व गुणवत्तापूर्ण कराएं। इसके बाद अलीगढ़वा बॉर्डर पर गेट निर्माण एवं प्रकाश व्यवस्था कार्य का जायजा लिया। गेट निर्माण कार्य की प्रगति धीमी मिलने पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कार्य में प्रगति लाने के साथ ही कार्य समय से व गुणवत्तापूर्ण कराने का निर्देश दिया। डीएम ने ग्रामीण अभियंत्रण विभाग की ओर से कराए गए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के टी–4 से वर्रोहिया ग्रांट मार्ग 10 किमी निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। यहां भी इस्टीमेट व एमबी का मिलान किया और सड़क खोदवाकर गुणवत्ता देखी। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता कमल किशोर, एई मनीष सिंह, अवर अभियंता लाल चन्द्र पटेल आदि मौजूद रहे।

## सराफा व्यवसाई को लूटने जा रहे बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़

**संवाददाता–अयोध्या।** क्षेत्र के एक सर्राफा व्यापारी को लूटने जा रहे बदमाशों के प्लान पर एसओजी व गोसाईंगंज पुलिस ने पानी फेर दिया। पुलिस टीम ने मुठभेड़ में तीन लुटेरों को गिरफ्तार किया है। जिसमे एक शातिर अपराधी के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। जिसको जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके एक साथी को मौके से व एक अन्य को दूसरी जगह से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जबकि एक फरार हो गया। पुलिस टीम उसकी तलाश कर रही है। पकड़े गए बदमाश के कब्जे से दो तमंचा, कारतूस व चोरी की दो मोटरसाइकिल बरामद हुई है। थाना परिसर में एसपी ग्रामीण बलवंत ने पत्रकारों को बताया कि बुधवार की शाम करीब नौ बजे एसओजी और गोसाईंगंज पुलिस अपराधियों की निगरानी के लिए चेकिंग कर रही थी। तभी मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि दो बदमाश कोई बड़ी बरदात को अंजाम देने के लिए। पकरेला बाईपास रोड पर बाइक से खड़े है। इस सूचना पर एसओजी और गोसाईंगंज पुलिस ने घेराबंदी कर तलाश शुरू कर दी। तभी बाइक से आ रहे दो संदिग्धों ने पुलिस को देख फायर झोंक दिया और भागने लगे। पुलिस टीम ने उनका पीछा करते हुए फायरिंग कर दी। जिसमे एक बदमाश बाबूराम चौहान निवासी गौहनिया थाना गोसाईंगंज के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया और बाइक लेकर गिर पड़ा। उसका साथी धीरेंद्र वर्मा उर्फ गब्बर निवासी देवगिरिया पुरैनी भागने लगा जिसे पुलिस टीम ने काम्बिंग कर पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक पकड़े गए अपराधी बाबूराम पर अम्बेडकर नगर में लूट तथा पुलिस टीम पर हत्या के प्रयास से गोली चलाने आदि के मुकदमें दर्ज हैं। पूछताछ में जानकारी मिली है कि यह गोसाईंगंज के नंदन सोनी जिनकी समदा बाजार में नैन ज्वेलर्स की दुकान है ,को टारगेट कर उसे लूटने की योजना बनाई थी। उसी की रेकी तीन दिन से कर बुधवार को घटना को अंजाम देने यह लोग जा रहे थे। पूंछतांछ में बाबूराम व धीरेंद्र ने बताया कि लालपुर निवासी विवेक वर्मा व अंकित अलग बाइक से रामगंज बाजार में मिलेंगे। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए विवेक को सर्विलांस की मदद से चिरकिटहा मोड़ से गिरफ्तार कर लिया जबकि अंकित अंधेरे का लाभ उठाकर भागने में सफल रहा ।पुलिस उसकी तलाश कर रही है। गिरफ्तार धीरेंद्र वर्मा गब्बर पर अम्बेडकर नगर में लूट का मुकदमा दर्ज है जबकि विवेक पर गोसाईंगंज थाने में गम्भीर अपराध दर्ज है। गिरफ्तार करने में प्रभारी निरीक्षक गोसाईंगंज परशुराम ओझा,एसओजी प्रभारी अमरेश त्रिपाठी, अंकित राय ,प्रभारी निरीक्षक ओरशुराम ओझा,एस आई उपेंद्र सिंह सहित अन्य पुलिस कर्मी शामिल रहे।

**दैनिक भारतीय बस्ती**

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

**अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–** चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

**लखनऊ कार्यालय–** आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

**गोरखपुर कार्यालय–** इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com bhartiyabasti@gmail.com